सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 107, नई दिल्ली, सोमवार, 13 फरवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 16 फरवरी को होगा मेयर चुनाव कराने का चौथा प्रयास
05 देश की सबसे बेहतरीन सनरूफ कारें, कीमत मात्र 10 लाख
08 फेरबदल: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 राज्यों के राज्यपाल-एलजी बदले

आज का सुविचार

यदि आप एक सुखी जीवन जीना चाहते हैं, तो इसे एक लक्ष्य से बांधें न कि लोगों या चीजों से !

बुराड़ी क्षेत्र से ड्राइविंग ट्रैनिंग इंस्टिट्यूट को परिवहन विभाग जल्द करने वाला है बन्द

जनहित के लिए विश्व विख्यात दिल्ली के परिवहन आयुक्त द्वारा आने वाला है नया आदेश

संजय बाटला

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर, उत्तरी, पश्चिमी, बाहरी दिल्ली और बाहरी राज्यों से ड्राईवर और कंडक्टर जो बुराड़ी क्षेत्र में डीटीआई में ट्रैनिंग और क्लास रिन्यू के कोर्स करने के लिए आते थे उन्हे अब इस इंस्टीट्यूट की सेवा परिवहन विभाग द्वारा अपने लालच में बंद करने जा रहा हैं।

वैसे तो दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा चलवाए जाने वाले तीनो ट्रेनिंग सेंटर लोनी, सराय काले खां और बुराड़ी को लेकर बहुत बड़ी शिकायते उपल्ब्ध होने के बावजूद अपनें प्रेम भाव के तहत सभी गलतियों और शिकायतो को दरकिनार कर के भी दो इंस्टीट्यूट मारुति सुजुकी और एक अशोक लीलैंड द्वारा संचालित करवा रहा है ।

बुराड़ी में चालित ड्राइविंग ट्रैनिंग इंस्टिट्यूट से पहले भी दिल्ली परिवहन विभाग ने इलेक्ट्रिक डिपो बनाने के लिए जगह ली थी और वहा लगे सभी पेड़ों (हरियाली) को कटवा कर उनके बदले में लगाने वाले पेड़ पौधों को इसी क्षेत्र में लगवाने का खेल खेला था वह पेड़ पौधे अभी पूरी तरह फैले भी नहीं और इस क्षेत्र में पूर्व से बचे हुए पेड़ों को भी जड़ से उखाड़ने का निर्णय लें लिया यानी प्रदुषण को और अधिक करने में मददगार बन रहा हैं।अचम्भा इस बात का हैं एलजी कार्यालय और पर्यावरण विभाग भी परिवहन आयुक्त की गलत जिद के आगे नतमस्तक होकर रह जाते हैं? कैसा दुर्भाग्य है दिल्ली की जनता और खास तौर से परिवहन क्षेत्र में मददगार चालकों और कंडक्टरों का जिन्हे यह स्थान अपनें घर से पास पड़ता था।

दिल्ली परिवहन विभाग को मारुति उद्योग लिमिटिड और अशोक लीलैंड से ड्राइविंग ट्रैनिंग इंस्टिट्यूट की जगह वापिस ले कर अन्य एनजीओ/ ट्रस्ट या व्यावसायिक घरानों में से किसी और को देना चाहिए पर अपनी जिद या हठ के लिए पर्यावरण संरक्षण के लिए लगे हुए पेड़ों (हरियाली) को खत्म करने की सोचने और ड्राईवर और कंडक्टर को परेशान करने का कृत्य ना करे। आप सभी की जानकारी हेतु बता दें दिल्ली फायर ब्रिगेड के लिए नियुक्ति के लिए ड्राईवर टैस्ट जो पिछली बार मारुति उद्योग लिमिटेड द्वारा संचालित आईडीटीआर और इस बार अशोक लीलैंड द्वारा संचालित डीटीआई में हुए थे उसके खिलाफ दोनो पर आरोप लगे और वह भी ऐसे जिनकी जांच अनिवार्य थी और यहां तो और भी ज्यादा जरूरी थी जांच क्योंकि इन दोनो ट्रेनिग टैस्ट लेने वालो द्वारा जिन व्यक्तियों को आगे भेजा गया उन्हे जनता की सुरक्षा के प्रति कार्य करना है पर परिवहन विभाग की आंखे और कान तो बंद हैं पर क्यों यह तो परिवहन विभाग के आला अधिकारी ही जानते होगें या दोनो कम्पनी के अधिकारी,

सच जो भी हो

पर पिस दिल्ली की जनता रही है।

जनहित में जारी।

ड्राइविंग लाइसेंस,समेत सभी डाक्यूमेंट से मुक्ति, नहीं कटेगा चालान

एनटीवी।एसडी सेठी। अगर आप आए दिन अपने वाहन के साथ उसके पेपर्स रखना भूल जाते हैं और चैकिंग के दौरान आपका चालान काट दिया जाता है तो अब ऐसा नहीं होगा ।यहां तक कि आप बिना ड्राइविंग लाइसेंस के भी चलते हैं तो आपका चालान नहीं काटा जायेगा। ट्रेफिक पुलिस आपको कहीं भी नहीं रोकेगी और गलती से रोक भी लेती है तो आपको आसानी से जाने देगी। फिजिकल डाक्यूमेंट रखने की सभी झंझट से मुक्ति मिल गई है। **Digi LockerApp** :एक बेहद ट्रेडिंग हर व्हीकल ओनर के लिए जरूरी ऐप है ।जिसकी बदौलत आप अपने वाहन को चलान से बचा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर से 19 एमबी का यह ऐप डाक्यूमेंट डाउनलोड कर सकते हैं। इस ऐप को डाउनलोड करने के बाद आपको सिर्फ अपने जरूरी दस्तावेज इस पर अपलोड कर देना है। अगर आपको पुलिस रोके तो आपको सबसे पहले अपने स्मार्ट फोन में मौजूद डिजीलॉकर ऐप में मौजूद इन दस्तावेजों कोदिखाये। ट्रैफिक पुलिस इसे मानने से इंकार नहीं कर सकती है।अगर आपके पास फिजिकल कापी मौजूद है तब तो आप दिखा सकते है। अगर नहीं है तो ऐप में मौजूद दस्तावेजों को दिखा कर चालान से खुद को बचा सकते है। **Digi Locker App** सरकारी ऐप है।

इनसाइड

टिक्कर-खमाडी सड़क के लिए 100 करोड़ की मंजूरी केंद्र की देन : कौल

रामपुर बुशहर। ननखड़ी तहसील के हजारों लोगों की जीवनरेखा कही जाने वाली टिक्कर-खमाडी सड़क के लिए केंद्र सरकार ने 100 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। सड़क को लेकर कांग्रेस के नेता बिना तथ्यों के सुर्खियां बटोर रहे हैं। वहीं पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में खोले गए संस्थानों पर कांग्रेस सरकार ने ताले जड़ने का कार्य किया है। यह बात हिमकोफेड के पूर्व अध्यक्ष कौल नेगी ने प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के प्रयासों से टिक्कर-खमाड़ी सड़क के लिए सीआरएफ के तहत राशि मंजूर हुई है। इस संबंध में कांग्रेस नेता बिना तथ्यों के सुर्खियां बटोर कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। पूर्व में भाजपा सरकार ने दो चरणों में 52 किलोमीटर लंबी सड़क की डीपीआर बनाई और इसको 24 जून, 2020 को मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड में डाला गया। पूर्व जयराम सरकार ने सड़क के रखरखाव के लिए 10 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। इसमें छह करोड़ रुपये की राशि आ चुकी थी, लेकिन आचार संहिता के चलते टेंडर नहीं लगाया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दो माह की उपलब्धि केवल इतनी है कि सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार के रामपुर विस क्षेत्र में शुरू किए गए संस्थानों पर ताले लगाए हैं। कई ऐसे संस्थान भी हैं, जहां लोगों को घरद्वार सुविधाएं मिलना शुरू हो गई थी। उन्होंने कहा कि जल्द आम जनता को साथ लेकर बंद किए संस्थानों को दोबारा खोलने के लिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत रामपुर की नौ सड़कें और ननखड़ी की आठ सड़कों का चयन हुआ है। बजट की स्वीकृति मिलते ही इनका निर्माण कार्य होने से हजारों ग्रामीणों को इनका लाभ मिलेगा। इसमें सुंगरी-बाहली सड़क के लिए 35 लाख और झिझणू-शरोग सड़क के लिए 20 लाख रुपये का बजट स्वीकृत हो चुका है। इस मौके पर भाजपा मंडलाध्यक्ष कुलबीर खुंद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेश चौहान, मंडल महामंत्री जगदीश मेहता, मीडिया प्रभारी दिनेश खमराल और भाजयुमो महामंत्री सौरभ नवघरिया मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पहले फेज का उद्घाटन, कही यह बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के दौसा में 18,100 करोड़ रुपए से अधिक की सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने सभास्थल के पास लगी दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस वे और चार परियोजनाओं की विकास प्रदर्शनी को देखा। इसके बाद पीएम मोदी दौसा रवाना हो गए। यहां वे एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे।

दिल्ली -मुम्बई एक्सप्रेस वे और वेस्टर्न कॉरिडोर राजस्थान की तस्वीर बदल देंगे

मोदी ने कहा दिल्ली -मुम्बई एक्सप्रेस वे और वेस्टर्न कॉरिडोर राजस्थान की तस्वीर बदल देंगे। दिल्ली मुम्बई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर का बड़ा फायदा मिलेगा। यह पश्चिम भारत के बंदरगाहों से भी जुड़ेगा। कई उद्योगों के लिए नई-नई सम्भावनाएं अभी से बननी शुरू हो जाएंगी। पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान से भी इसे ताकत मिल रही है। जरूरी ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के लिए कॉरिडोर रखा गया है। बिजली, पानी लाइनों की जगह छोड़ी गई है। अतिरिक्त जगह बचेगी तो सोलर पार्क और वेयर हाउस के लिए रखा जाएगा। सबका साथ, सबका विकास हमारा मंत्र है, जिससे हम सक्षम समृद्ध भारत बना रहे हैं। मोदी ने कहा- मुझे पास में ही एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलना है। बहुत बड़ी तादाद में राजस्थान के लोग वहां इंतजार कर रहे हैं।

राजस्थान में देशी-विदेशी पर्यटकों का आकर्षण और बढ़ेगा

पीएम मोदी ने कहा राजस्थान के सरिस्का नेशनल टाइगर रिजर्व, केवलादेव घना पक्षी विहार, रणथम्भौर नेशनल टाइगर रिजर्व और जयपुर, अजमेर जैसे पर्यटक स्थलों को भी इस एक्सप्रेस वे का फायदा होगा। राजस्थान देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए पहले ही आकर्षण रहा है, अब यह आकर्षण और बढ़ जाएगा।

पीएम मोदी ने बताया कि चार परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। इसमें से एक परियोजना जयपुर से दिल्ली इस एक्सप्रेस वे को डायरेक्ट कनेक्टिविटी देगी। ढाई-तीन घंटे का सफर जयपुर से दिल्ली के बीच रह जाएगा। परियोजना का एक रास्ता अलवर के पास अम्बाला कोटपूतली कोरिडोर से जोड़ेगा, एक और परियोजना करौली सड़क के विकास की है। ये सड़क भी इस सड़क को ना सिर्फ एक्सप्रेस वे से जोड़ेगी, लोगों के जीवन को आसान बनाएगी।

अब आधे समय में दिल्ली से जयपुर का सफर होगा

पीएम मोदी ने कहा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक और पक्ष है। इसके तैयार होने पर किसान, कॉलेज-दफ्तर आने जाने वाले लोग, व्यापारी सबकी आर्थिक गतिविधि भी बढ़ती है। दिल्ली-दौसा-लालसोट एक्सप्रेसवे बनने से जयपुर से दिल्ली जाने में पहले 5-6 घंटे लगते थे, अब आधे समय में हो जाएगा। जिन लोगों का दिल्ली में नौकरी, कारोबार, अन्य काम के लिए आना जाना होता है, वो आसानी से शाम को अपने घर पहुंच सकते हैं। ट्रक-टेम्पो वाले जो दिल्ली आते-जाते हैं उन्हें पूरा दिन हाईवे पर नहीं बितना पड़ेगा। फल-सब्जी- दूध कम समय में दिल्ली भेज सकते हैं। माल खराब होने का खतरा भी खत्म हो गया है। बुनकर हस्तशिल्पी अपने उत्पाद आसानी से भेज पाएंगे। हरियाणा, मध्यप्रदेश ,गुजरात को इससे बड़ा फायदा होगा। हरियाणा के मेवात और राजस्थान के दौसा में कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। पीएम मोदी ने कहा- जब सरकार हाईवे, रेलवे, पोर्ट, एयरपोर्ट पर काम करती है, तो उसका सभी को फायदा मिलता है। जब सरकार गरीबों के घर, मेडिकल कॉलेज बनाने का काम करती है, तो सामान्य मानव से लेकर छोटी दुकान, बड़ी इंडस्ट्री तक सभी को बल मिलता है।

सीमेंट, सड़क, रेत ,बजरी हर सामान के व्यापार से लेकर ट्रांसपोर्ट तक हर कोई इससे लाभांवित होता है। इन उद्योगों में कई नए रोजगार बनते हैं। दुकान में कारोबार फलता फूलता है, तो काम करने वाले भी बढ़ते हैं। जितना ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्रर पर निवेश होता है, रोजगार भी बढ़ता है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा- जब आधुनिक सड़कें, मेट्रो, एयरपोर्ट बनते हैं तो देश के विकास को गति मिलती है। दुनिया के अध्ययन बताते हैं इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगाई हुई राशि जमीन पर कई गुणा असर दिखाती है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाला निवेश उससे भी कई गुणा ज्यादा निवेश आमंत्रित करता है। केंद्र सरकार भी इस पर काम कर रही है। अब तक हमने राजस्थान में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक दिए गए हैं। इस साल के बजट में हमने 10 लाख करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। ये 2014 की तुलना में 5 गुणा ज्यादा है। इस निवेश का बहुत बड़ा लाभ राजस्थान को होने वाला है। यहां के गांव, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को फायदा होने वाला है।

मोदी और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत में मंच पर ही चर्चा हुई शुरू

सीएम गहलोत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से अपने उद्बोधन में पीएम मोदी से कहा-आप राजस्थान में पधारे हुए हैं, तो ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का आप काम करें। गहलोत ने कहा इस एक परियोजना पर आप काम करेंगे, तो राजस्थान को पानी के संकट से बहुत राहत मिलेगी। आप जिस जिले में बैठे हुए हैं यह भी उसमें आता है। ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करेंगे, तो समयबद्ध काम पूरा होगा। 13 जिले में आजादी के वक्त से ही हम पानी को लेकर संकट में रहे हैं। मैं आपका आभारी हूं, आप राजस्थान में पधारे हैं। दूसरी बार इतना जल्दी एक प्रधानमंत्री का प्रदेश में आना मायने रखता है , यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मैं आशा रखता हूं आप आते रहेंगे, तो हमारे विकास की रफ्तार गति पकड़ेगी। सीएम गहलोत के उद्बोधन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत में आपसी चर्चा शुरू हो गई।

इससे पहले सीएम अशोक गहलोत ने कहा- सबसे पहले मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान में अपनी और राजस्थान वासियों की ओर से हार्दिक स्वागत करता हूँ। मुझे खुशी है कि आज ऐतिहासिक काम होने जा रहा है। पिछली बार मैंने गड़करी जी को रिक्वेस्ट की थी कि इसी राजमार्ग से आप जयपुर को जोड़ें, उन्होंने स्वीकार कर लिया, मैं धन्यवाद देता हूँ। लेकिन 50 सड़कों का आपने ऑलरेडी राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का फैसला लिया, अभी तक उसका गजट नोटिफिकेशन नहीं निकाला। उस पर भी काम करवाएं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर 4 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस वे के तहत पहले चरण में दिल्ली-सोहना से दौसा तक 247 किमी लम्बी 8 लेन का खंड, बांदीकुई से जयपुर का 2020 करोड़ लागत का 67 किमी लम्बा 4 लेन स्पर- जिससे 5 घंटे से घटकर 3 घंटे का ही सफर दिल्ली-जयपुर के बीच रह जाएगा। कोटपूतली और अलवर इंटरचेंज और दौसा-सवाई माधोपुर- करौली को जोड़ने वाला 94 किलोमीटर स्पर का मोदी ने उद्घाटन किया।

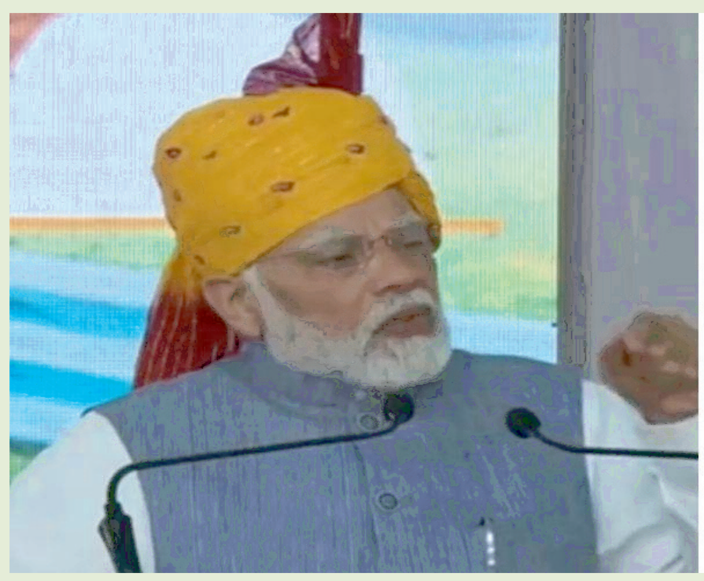

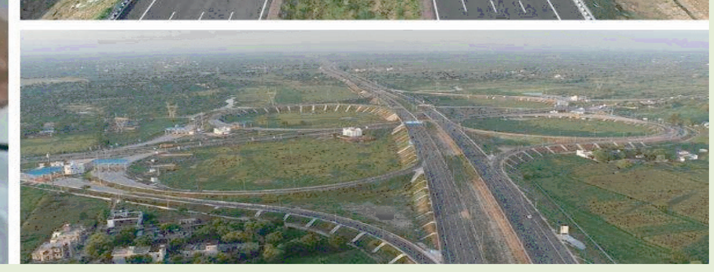

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

डीटीओ जितेंद्र गहलावत एवं स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के सदस्य सरदार देवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में हुआ कार्यक्रम

स्पेशल रिफ्लेक्टर टेप लगाने का अभियान मानव रचना कॉलेज फरीदाबाद सूरजकुंड रोड के बाहर चलाया गया

एनटीवी संवाददाता

फरीदाबाद। हमारे आदरणीय डिप्टी कमिश्नर विक्रम सिंह जी के आदेशनुसार , आदरणीय डीटीओ जितेंद्र गहलावत एवं स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के सदस्य सरदार देवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में आज स्पेशल रिफ्लेक्टर टेप लगाने का अभियान मानव रचना कॉलेज फरीदाबाद सूरजकुंड रोड के बाहर चलाया गया ऑटो हमारे देश, प्रदेश एवं शहर की एक लाइफ लाइन है और ऑटो के बगैर हम एक जगह से दूसरे स्थान पर नहीं पहुंच सकते इसलिए हमारे देश ,प्रदेश एवं शहर में ऑटो का एक विशेष महत्व एवं योगदान है लेकिन कुछ कमियां भी हैं जो हम सभी को मिलकर ठीक करनी होगी इस स्पेशल अभियान में सभी ऑटो वालों को रिफ्लेक्टर टेप भी दिए गए और काफी सारी ऑटो में रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए सभी ऑटो वालों को समझाया भी गया कि मोटर व्हीकल एक्ट 2019 के तहत इस समय पूरे देश एवं प्रदेश में ट्रैफिक के जुर्माने 10 गुना बढ़ चुके हैं इसलिए सभी ऑटो वाले विशेष ध्यान रखें ट्रैफिक के नियमों की हमेशा ही पालना करें अपने अपने ऑटो के सभी पेपर जैसे आरसी, लाइसेंस ,इंश्योरेंस ,पोलूशन अपने साथ रखें और अपने अपने सभी ऑटो वाले अपना लाइसेंस अवश्य बनाएं वरना आपका भारी चालान कर सकता है ऑटो को जेबरा क्रॉसिंग पर ही रोके रेड लाइट जंप बिल्कुल ना करें।

अपने ऑटो की स्पीड लिमिट में रखें ज्यादा स्पीड में ना तो ऑटो को बिल्कुल ना चलाएं सभी ऑटो वाले अपने-अपने ऑटो पर हाई सिक्योरिटी प्लेट जल्द से जल्द लगाएं पुराने प्लेट को जल्द से जल्द बदलें ऑटो को अंदर से पूरी तरह से ना ढके अपने ऑटो के अंदर म्यूजिक सिस्टम बिल्कुल ना चलाएं ऑटो में ज्यादा सवारी ना बैठने दे आगे वाली सीट पर सवारी को ना बैठने दें नशा करके ऑटो बिल्कुल ना चलाएं हमेशा सड़क के बीचो बीच पर ऑटो को बिल्कुल ना रोके सभी ऑटो वाले अपनी लेन में ही ऑटो को चलाएं दूसरों के प्रति अपना व्यवहार ठीक रखें सड़क पर किसी से ना झगड़े अगर कोई सड़क पर समस्या आती है कृपया 112 पुलिस का कंट्रोल रूम पर डायल करें अगर सड़क पर कोई दुर्घटना होती है तो आप एंबुलेंस के लिए 1800 1800009 पर भी फोन कर सकते हैं।

अस्पताल पहुंचाने वाले बंदे को सरकार के द्वारा ₹5000 का अवार्ड भी दिया जाएगा इसका नाम स्मार्ट अवार्ड है पुलिस आपको तंग नहीं करेगी अगर आप सड़क पर किसी दुर्घटना वाले की मदद करते हैं आप सभी का जीवन अनमोल है सभी ऑटो वालों को शपथ भी दिलाई गई सड़क सुरक्षा के प्रति कि हम सभी ट्रैफिक के नियमों की पालना करें खुद ही सुरक्षित रहें दूसरों को सुरक्षित रहने दें अपने अपने ऑटो को साफ सुथरा रखें ऑटो की सर्विस कराते रहें एवं उसकी हवा पानी टायर को चेक करवाते रहें क्योंकि यही आपकी रोजी-रोटी है इसी से आपका परिवार चलना है आप सभी शासन एवं प्रशासन को हमेशा सहयोग करें क्योंकि यही आपके दुख सुख के साथी हैं सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा आओ हम सभी मिलकर अपने शहर को साफ सुथरा एवं अतिक्रमण मुक्त बनाएं और सभी मिलकर सहयोग करें।

शहर हमारा जिम्मेदारी हमारी
देश हमारा जिम्मेदारी हमारी

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

आप भी पुरानी बातों को लेकर रहती हैं बेचैन? इन 4 तरीकों से जिंदगी बनाएं खुशहाल, मिलेगी हर मंजिल

अगर आप चाहती हैं कि आपकी जिंदगी बेहतर बने, तो अपने पुराने निर्णयों को स्वीकारना शुरू करें और उन्हें जीवन में बड़ी सीख की तरह देखें. ऐसा करने से आप उन्हें जीवनभर बोझ बनाकर ढोने से बच जाएंगी और आगे बेहतर तरीके से जी सकेंगी.

अगर आपको इस बात का पछतावा रहता है कि आपके कुछ गलत निर्णयों की वजह से आपकी जिंदगी आज बुरे हालातों से गुजर रही है तो ऐसा सोचने वाली अकेली आप नहीं हैं. खासतौर पर अगर आपने अपने किसी निर्णय की वजह से कुछ बहुत ही खास चीज को खो दिया है या जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है तो ये पछतावा आपको जीवनभर के लिए अवसाद में जीने को मजबूर कर सकता है. यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप पुराने पछतावों से किस तरह खुद को उबार सकती हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ सकती हैं.

पुराने पछतावों से खुद को ऐसे उबारें

लिस्ट बनाएं

जीक्यूइंडियाके मुताबिक, पछतावों से खुद को उबारने के लिए उन चीजों की लिस्ट बनाएं जो आपने अपनी गलतियों से सीखी है. दरअसल गलत निर्णय जीवन में सीख की तरह होते हैं. अगर आप इन्हें सकारात्मक तरीके से स्वीकारें तो ये आपको जीवन में आगे होने वाली गलतियों से आपको बचा सकते हैं. इस तरह आप खुद की गलतियों को यादा करें और उनसे सीख लें. इस तरह आप बेहतर डिसीजन मेकर बन पाएंगी.

खुद को करें माफ

गलतियों की वजह से अपनी जिंदगी को बर्बाद करने और खुद का सजा देने की बजाय बेहतर होगा कि आप खुद को माफ करें. ऐसा करने से आप चीजों को भूलकर आगे खुशहाल रहेंगी और आगे जजमेंटल होकर निर्णय नहीं लेंगी.

अपने पछतावों को लिखें

आप अपने अंदर पल रही निगेटिव फीलिंग्स को दूर करने के लिए अपने पछतावों को एक जगह लिखें और विचार करें कि क्या ऐसा ना होने पर आपकी जिंदगी सच में बदली होती ! यकीन मानिए, आपके सवालों का जवाब आपको जैसे ही मिल जाएगा आप पछताबों से छुटकारा पा जाएंगी.

इस विषय पर करें बात

अगर आपको यह लग रहा है कि आप अपने पछताबों के तले दबा हुआ और घुटन सा महसूस कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप किसी अपने विश्वसनीय से इस विषय पर बात करें. कई बार अपनी फीलिंग्स को शेयर कर लेने और खुलकर बात कर लेने से भी बेहतर महसूस होता है.

बिज़ी लाइफ में इन तरीकों से महिलाएं निकालें खुद के लिए समय

महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है. महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है.

कामकाजी महिलाओं (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. ऐसे में कुछ तरीकों की मदद से वे अपना काम आसान कर सकती हैं और अपने लिए समय बचा सकती हैं ताकि वे अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें.

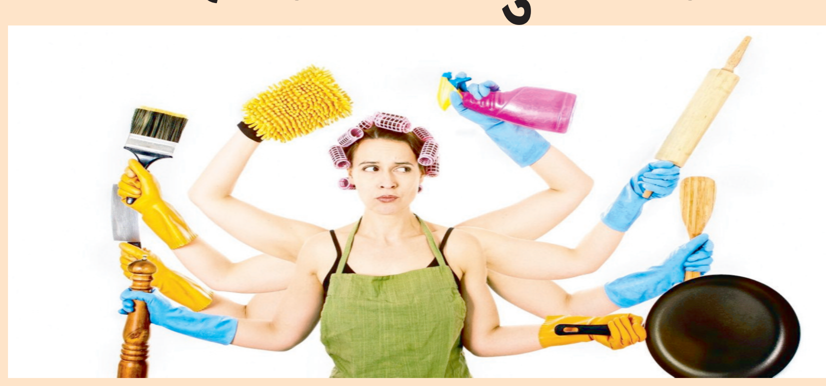

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टास्क हो गया है. इस समस्या से सबसे अधिक महिलाएं प्रभावित हैं और जो महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए तो खुद के लिए समय निकालना नामुमकिन है. वर्किंग विमेन (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. जिसे पूरा करते-करते वे ना तो चैन की सांस ले पाती हैं और ना ही अपनी नींद पूरी कर पाती हैं. ऐसे में स्वास्थ्य पर काफी गहरा असर पड़ता है.
इस समस्या को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं जो आपके बहुत काम आ सकते हैं.

चाबियों पर लगाएं अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश

अक्सर जब किसी काम को जल्दी पूरा करना हो या हम जब जल्दी में होते हैं तभी छोटी-छोटी चीजों की वजह से देर होने लगती. ऐसे में आप अपने घर की कई चाबियों को अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश से रंग सकते हैं. इससे आपको पर्टिकुलर लॉक के लिए सारी चाबी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे आप अपने समय की बचत कर सकते हैं.

कंघी करते समय रखें ध्यान

ऑफिस जाते समय जल्दी-जल्दी में बालों को सुलझाने में महिलाएं बालों के साथ खींचतान करने लगते हैं. जिससे बाल अधिक टूटते हैं और नीचे गिर कर काम बढ़ा देते हैं. इससे बचने के लिए अपने हेयर ब्रश में बटर पेपर लगाकर कंघी करें. इससे बाल जल्दी सुलझ जाएंगे और नीचे भी नहीं गिरेंगे.

हेयर स्ट्रेटनर से प्रेस करें

सुबह के समय जल्दी रहे तो आप प्रेस के लिए हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे आपके कपड़े जल्दी प्नेस होंगे और आपका समय बच जाएगा.

कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं ये ऐप्स

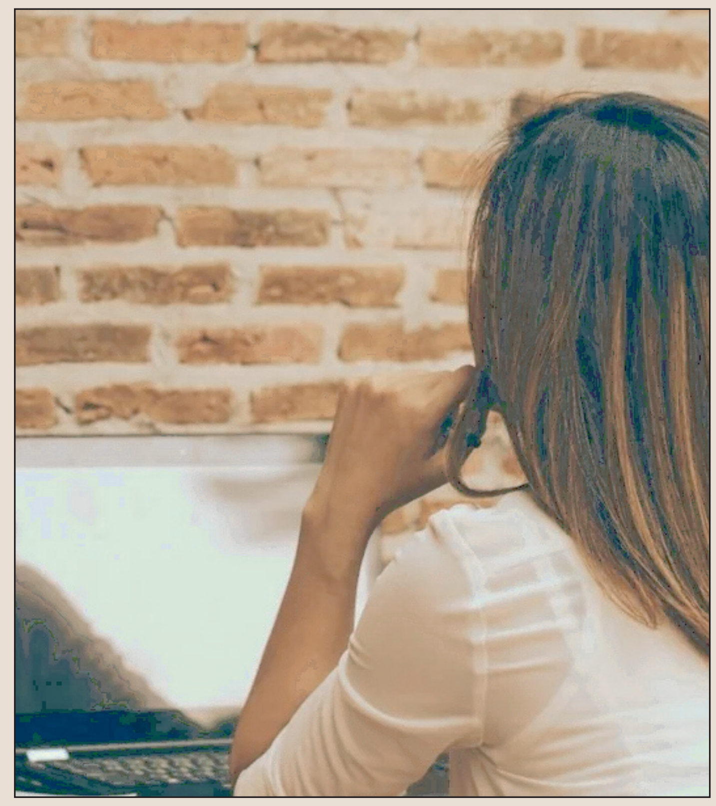

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई है.

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज़ में ऐप्स की मदद से आगे बढ़ रही हैं और पैसे भी कमा पा रही हैं. सबसे खास बात यह है कुछ प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
अगर आप किसी कारणवश अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाई हैं, या आपने केवल 10वीं या 12वीं तक की ही पढ़ाई की है और आप अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं, इस अब आपको ऐसा मौका मिल सकता है. क्योंकि देश में कई ऐसे मोबाइल ऐप बनाए गए हैं, जो खासरकर महिलाओं को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं. इन ऐप्स के इस्तेमाल से महिलाओं ने 2021 में तरक्की के कई रास्ते खोले और अब 2022 में भी ये उनकी मदद कर रहे हैं. दिल्ली-एनसीआर (**Delhi-NCR**), मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज़ में बहुचर्चित 'अपना (**apna**)' ऐप ने महिलाओं के बीच अच्छी पकड़ बनाई है. बीते साल करीब लाखों महिलाओं ने इसका इस्तेमाल कर नौकरी पाई. सबसे खास बात यह है कि इस प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
इन ऐप्स पर सिर्फ अपनी जानकारी डालने के बाद उनके पास जरूरत के हिसाब से नौकरी पाने के ऑफर आते रहते हैं. 12वीं पास महिलाओं ने सबसे ज्यादा टेलीकॉलर, बीपीओ, बैक ऑफिस, रिसेप्शनिस्ट, फ्रंट ऑफिस, टीचर, अकाउंटेंट, एडमिन ऑफिस असिस्टेंट और डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी के लिए आवेदन किया है.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म

इसी तरह खास महिलाओं के लिए चलाई जा रही सोशल नेटवर्किंग साइट 'शीरोज़ (**Sheroes**)' भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक मजबूत प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आई है. यहां हर उम्र वर्ग की महिलाएं, ऐप या वेबसाइट के माध्यम से जुड़ती हैं. वह नौकरी के अवसर भी तलाशती है, साथ ही अगर वह अपने लेवल पर किसी तरह का बिजनेस कर रही हैं, तो उसे प्रमोट भी करती हैं. बिजनेस वुमेन इसके सहारे अपना नेटवर्क मजबूत कर रही हैं. इस तरह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई.

जो महिलाएं मां नहीं बन पातीं, उनमें हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादा: नई रिसर्च

महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.

महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है. (सांकेतिक तस्वीर)
महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है.

ब्रिटेन में हुई रिसर्च से पता चला है कि जिन औरतों में बांझपन (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका 16 फीसदी तक ज्यादा होती है.
महिला को गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ में परेशानी हो तो बाद के सालों में दिल की बीमारी का रिस्क बढ़ जाता है.
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
लंदनः एक नए शोध से पता चला है कि महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने (infertility) की समस्या का संबंध दिल की बीमारी से भी होता है. ब्रिटेन में हुई रिसर्च के बाद दावा किया गया है कि जिन औरतों में बांझपन यानी इनफर्टिलिटी (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका बाकी महिलाओं से 16 फीसदी तक ज्यादा होती है.
अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जर्नल में छपे इस शोध में कहा गया है कि महिलाओं के प्रजनन इतिहास से काफी हद तक पता चल जाता है कि उन्हें भविष्य में दिल की बीमारी होने का कितना खतरा है.
महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.
इस शोध के दौरान दो तरह के हृदयाघात यानी हार्ट फेल होने की स्टडी की गई. पहला preserved ejection fraction के साथ हार्ट अटैक (HFpEF) जिसमें दिल की मांसपेशियां खून पंप करने के बाद पूरी तरह फैल नहीं पातीं. दूसरा हार्ट फेल्यार विद reduced ejection fraction (HFrEF). इसमें बाएं वेंट्रीकल यानी दिल के निचले भाग के कोष से हर धड़कन के बाद जितना खून शरीर में जाना चाहिए, वो नहीं जा पाता. महिलाओं में हार्ट फेल के ज्यादातर मामले HFpEF के ही होते हैं.
शोध करने वाली टीम की लीडर और मैसाचूसेट्स जनरल हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ ने बताया कि रिसर्च के दौरान ये पता लगाने की कोशिश की गई कि महिलाओं में थायरायड या जल्दी मेनॉपॉज़ जैसी समस्याओं का भी क्या प्रजनन क्षमता और दिल की बीमारी से कोई लेना-देना होता है या नहीं. लेकिन इस धारणा को लेकर किसी तरह के पुख़्ता सबूत अभी नहीं मिल पाए हैं.
शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी तक ये तो पता था कि जिन महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की समस्या होती है, उनमें हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी होने के चांस ज्यादा होते हैं. लेकिन बांझपन का दिल की बीमारी पर असर को लेकर कोई पुख्ता स्टडी नहीं हुई थी. आमतौर पर दिल की बीमारी को 50 साल

के बाद की समस्या माना जाता है, जबकि बांझपन उम्र के 20वें, 30वें या 40वें पड़ाव पर आने वाली दिक्कत है. इसलिए इन दोनों के संबंध पर गौर नहीं किया जाता. अब महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की क्षमता का कुछ नहीं किया जा सकता लेकिन भविष्य का ध्यान तो रखा ही जा सकता है ताकि उन्हें दिल की बीमारियों से बचाया जा सके.

इनसाइड

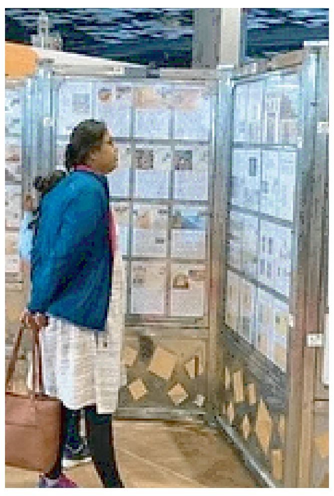

देश के दुर्लभ डाक टिकटों से रूबरू होने का मौका, प्रगति मैदान में चल रही है प्रदर्शनी

दिल्ली। संचार मंत्रालय व इंडिया पोस्ट की ओर से आयोजित प्रदर्शनी को अमृतपेक्स-2023 नाम दिया गया है। रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इसका शुभारंभ किया। प्रदर्शनी 15 फरवरी तक सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक चलेगी। प्रगति मैदान में डाक टिकटों का महाकुंभ आयोजित किया गया है। यहां देश के दुर्लभ डाक टिकट देखे जा सकते हैं। यहां 1818 में मद्रास सिटी से लंदन भेजा गया पत्र, 1834 में कोलकाता गोल पोस्ट ऑफिस से भेजा गया पत्र व 18वीं-19वीं शताब्दी के प्रारंभ में देश के एक से दूसरे शहरों में भेजे गए अनगिनत पत्र मौजूद हैं। प्रदर्शनी में डाक टिकटों के 1400 फ्रेम और एक लाख से ज्यादा डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई गई है। संचार मंत्रालय व इंडिया पोस्ट की ओर से आयोजित प्रदर्शनी को अमृतपेक्स-2023 नाम दिया गया है। रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इसका शुभारंभ किया। प्रदर्शनी 15 फरवरी तक सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक चलेगी। प्रगति मैदान के नए हॉल पांच में आयोजित प्रदर्शनी में दुर्लभ भारतीय डाक टिकटों पहले ही दिन सैकड़ों लोगों ने देखा। भारत के इतिहास, संस्कृति और कला को दर्शाते हुए डाक टिकटों को लोगों ने खूब पसंद किया। यहां महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि पर जारी डाक टिकट, रामायण, बुद्ध, पेड-पौधे, पशु-पक्षियों, तितलियों, फूलों, ऐतिहासिक भवनों, रेलवे स्टेशनों इत्यादि पर जारी किए गए डाक टिकटों के संग्रह को देखा जा सकता है। मेले में डाक टिकटों का डिजिटल अनुभव भी किया जा सकता है। डाक टिकटों पर कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। नए डाक टिकटों का विमोचन भी किया जा रहा है।

संसद संग्रहालय के दुर्लभ संग्रह मौजूद

भारतीय संसद संग्रहालय के दुर्लभ संग्रह को भी यहां देखा जा सकता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय डाक टिकट भी मिल पाएंगे। 1989 में भारत और 1980 में जर्मनी में हुई इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन की बैठक के लिए जारी किए गए पत्र पर लगे स्टांप यहां उपलब्ध हैं। देश के गणतंत्र के 50 साल पूरे होने पर जारी किए डाक टिकट, भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक पर जारी हुए डाक टिकट को प्रदर्शनी में देखा जा सकता है।

वैष्णव ने 10 बच्चों को किया सम्मानित

प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर अश्वनी वैष्णव ने भारतीय डाक की परिवर्तनकारी यात्रा पर एक फिल्म और आजादी का अमृत महोत्सव पर स्मारक डाक टिकटों का विमोचन किया। इसके बाद उन 10 बच्चों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने आजादी पर डाक टिकट डिजाइन करने की प्रतियोगिता जीती है। समारोह में फिलाटेलिक वस्तुओं की बिक्री के लिए 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं।

16 फरवरी को होगा मेयर चुनाव कराने का चौथा प्रयास

उपराज्यपाल ने दी मंजूरी; अब तक हो चुकी हैं तीन बैठकें

मेयर चुनाव कराने के लिए जब भी सदन की बैठक बुलाई जाती, तभी सदन में पार्षद हंगामा करते और कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाता

एनटीवी संवाददाता

एमसीडी अब तक तीन बार मेयर चुनाव कराने में असफल रहा है। जब भी मेयर चुनाव कराने के लिए सदन की बैठक बुलाई जाती, तभी सदन में पार्षद हंगामा करते और कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाता।

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर चुनाव के लिए एक बार फिर तारीख तय की गई है। दिल्ली एलजी वीके सक्सेना ने मेयर चुनाव के लिए एमसीडी हाउस बुलाने की तारीख 16 फरवरी को मंजूरी दी है। बता दें कि एमसीडी अब तक तीन बार मेयर चुनाव कराने में नाकाम रहा है। मेयर चुनाव कराने के लिए जब भी सदन की बैठक बुलाई जाती, तभी सदन में पार्षद हंगामा करते और कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाता। छह फरवरी और 24 जनवरी को हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था।

अब तक हो चुकी हैं तीन बैठकें

महापौर चुनाव के लिए सदन की बैठक छह व 24 जनवरी और छह फरवरी को हो चुकी है, मगर तीनों दिन सदन की बैठक में पार्षदों ने हंगामा कर दिया और हर बार पार्षदों के शांत नहीं होने के कारण पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा ने बैठक अगली तिथि तक स्थगित कर दी। इस तरह तीनों बार महापौर का चुनाव नहीं हो सका। इस कारण एमसीडी ने एक बार फिर सदन की बैठक बुलाने की प्रक्रिया आरंभ की।

मेयर पद की प्रत्याशी शैली ने दी है सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

उधर, महापौर का चुनाव नहीं होने के मामले को आम आदमी पार्टी की पार्षद शैली ओबराय ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। शैली ओबराय आम आदमी पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उपराज्यपाल, पीठासीन अधिकारी व अन्यों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका पर अगली सुनवाई सोमवार को होगी। इससे पहले 24 जनवरी को महापौर का चुनाव नहीं होने पर भी शैली ओबराय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, मगर उनकी याचिका पर सुनवाई होने से पहले ही उपराज्यपाल ने सदन की बैठक छह फरवरी को बुलाने के आदेश जारी कर दिए थे। इस कारण शैली ओबराय ने तीन फरवरी को अपनी याचिका वापस ले ली थी।

सदन की बैठक से तीन घंटे पहले ही शुरू हो गया था आरोप-प्रत्यारोप

एमसीडी के महापौर चुनाव के लिए छह को सदन की बैठक शुरू होने से करीब तीन घंटे पहले ही सियासी बवाल मचना शुरू हो गया था। आम आदमी पार्टी व भाजपा के नेता एक दूसरे पर सदन में हंगामा करने की तैयारी का आरोप लगाने लग गए थे। आप नेता व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके महापौर का चुनाव नहीं होने की आशंका जताई थी। वहीं, उनके ट्वीट के करीब एक घंटे बाद भाजपा नेताओं ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव में उनके पार्षदों से क्रॉस वोट करने के लिए आप नेता करोड़ों रुपये व पद का लालच दे रहे है। इसी बीच आप नेताओं ने भाजपा के आरोपों को नकारते हुए दावा किया कि वे सदन में हंगामा करने की जमीन तैयार कर रही है।

भाजपा आप सरकार को घेरने में लगी

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि संभावित हार को देखते हुए आप नगर निगम का गठन नहीं होने दे रही है। हार की आशंका की वजह से ही बार-बार नगर हंगामा करके बैठक स्थगित करा देती है। पीठासीन अधिकारी सांविधानिक तरीके से नगर निगम की बैठक संचालित कर रही हैं लेकिन हर बार आम आदमी पार्टी उन्हें काम करने से रोक देती है। बिधूड़ी ने यह भी कहा कि एल्डरमैन नगर निगम के वैधानिक पार्षद हैं, क्योंकि एक्ट के अनुसार ही उनका मनोनयन किया गया है। वैधानिक सदस्यों को वोट डालने का अधिकार होता है लेकिन आम आदमी पार्टी कभी उनकी शपथ को लेकर हंगामा करती नजर आती है तो कभी उनके वोट के अधिकार पर।

शातिरों पर शिकंजा: एयरपोर्ट पर आरबीआई के फर्जी दस्तावेज के साथ तीन गिरफ्तार, जवान को रिश्वत देने की भी कोशिश

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। सीआईएसएफ ने तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से आरबीआई के फर्जी दस्तावेज मिले हैं।

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने चेन्नई जा रहे तीन यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा है। इनके पास आरबीआई के फर्जी दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि आरोपियों ने पकड़े जाने के बाद सीआईएसएफ के जवान को तीन लाख रुपये रिश्वत देने की कोशिश की।

सीआईएसएफ अधिकारियों ने आरोपियों को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया है। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ फर्जीवाड़े का मामला दर्ज किया है।

सीआईएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) हरि किशन ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट के टर्मिनल संख्या तीन पर शुक्रवार शाम सुरक्षा जांच के दौरान एक बैग में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लोगो व गवर्नर शक्तिकांत दास के नाम वाले फर्जी दस्तावेज देखे।

जब यात्रियों से उन दस्तावेज के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। आरोपियों ने एएसआई हरि किशन को उन्हें छोड़ने के एवज में तीन लाख रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की। एएसआई ने उन्हें फटकार लगाई और वरिष्ठों को सूचित किया।

तीन यात्रियों को सीआईएसएफ के कर्मियों ने हिरासत में ले लिया। यात्रियों की पहचान चेन्नई निवासी राहुल, अब्दुल इरफान और अर्पुधराज के रूप में हुई है। तीनों चेन्नई जाने के लिए एयरपोर्ट आए थे। सीआईएसएफ अधिकारियों ने यात्रियों को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया।

सीआईएसएफ के महानिदेशक ने आरोपियों को पकड़ने वाले एएसआई हरि किशन को इनाम देने की घोषणा की है। उधर पुलिस ने आरोपी यात्रियों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ की तो पता चला कि राहुल की चेन्नई में गहने की दुकान है। चेन्नई में उसे एक व्यक्ति मिला था, जिसने बताया कि उसे एक कंपनी से 8 हजार करोड़ रुपये मिलने हैं। अगर वह बैंक खाता मुहैया करवाता है तो वह उसे आरबीआई से कागजात दिलवा देगा। साथ ही, आने के बाद उसमें से कमीशन देगा। उसकी बातों में आकर राहुल उसके बताए अनुसार दो सहयोगी के साथ दिल्ली आ गया। कनॉट प्लेस में एक शख्स ने उसे आरबीआई के कागजात दिए।

इसे लेकर वह चेन्नई में उस व्यक्ति को देने जा रहा था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इनके पास आरोपी का मोबाइल नंबर है। पुलिस पकड़े गए यात्रियों के जरिए धंधे से जुड़े आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस कनॉट प्लेस के उस जगह की सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले रही है, जहां आरोपी ने यात्रियों के फर्जी कागजात सौंपे थे।

विरोध के बीच दूसरे दिन भी चला डीडीए का बुलडोजर, नए सिरे से होगा सीमांकन

महरौली में स्थानीय निवासियों के भारी विरोध के बीच दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) का अतिक्रमण विरोधी अभियान लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। लाथा सराय गांव के महरौली पुरातत्व पार्क में चल रही कार्रवाई के विरोध में लोगों का कहना था कि निर्माण अवैध है तो इसकी जिम्मेदारी डीडीए की है। कार्रवाई डीडीए अधिकारियों पर होनी चाहिए।

जिंदगीभर की जमा पूंजी लगाकर घर खरीदे हैं। मकान की रजिस्ट्री भी है और बैंक से लोन भी चल रहे हैं। अब अचानक बोला जा रहा है कि सब अवैध है। वहीं, दिल्ली के राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने दक्षिणी दिल्ली के जिलाधिकारी को विवादित क्षेत्र में नए सिरे से सीमांकन करने का आदेश दिया है। साथ ही, तुरंत इस बारे में डीडीए को जानकारी देने को कहा है। उनका कहना है कि डीडीए राजस्व विभाग के सीमांकन बनाकर कार्रवाई कर रहा है जिसे रद्द कर दिया गया है, जबकि डीडीए का कहना है कि यह कार्रवाई उच्च न्यायालय के आदेश पर की जा रही है और आगे भी जारी रहेगी।

नए सिरे से होगा सीमांकन

महरौली में हो रही कार्रवाई को रोकने के लिए राजस्व मंत्री ने देर शाम दक्षिणी दिल्ली के जिलाधिकारी सहित अन्य उच्च अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि डीडीए की यह कार्रवाई राजस्व विभाग के सीमांकन को आधार बनाकर किया जा रहा है। राजस्व मंत्री ने इसे तुरंत रोकने को कहा है। बैठक में राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने विवादित क्षेत्र में नए सिरे से सीमांकन करने का आदेश दिए हैं। डीडीए ने अतिक्रमण विरोधी इस अभियान में राजस्व विभाग के पूर्व में किए गए सीमांकन को आधार बनाया है। दिल्ली सरकार ने इसमें खामियां पाने के बाद इस सीमांकन को रद्द कर दिया है। उनका कहना है कि यह सीमांकन बिना किसी नोटिस के कब्जाधारियों को अंधेरे में रखकर किया गया है। उन्होंने जिलाधिकारी को आदेश दिया कि वह तुरंत नए सिरे से किए जा रहे सीमांकन के बारे में डीडीए को सूचित करें।

कोर्ट के कहने पर हो रही है कार्रवाई

डीडीए का कहना है कि शुक्रवार से शुरू हुआ अतिक्रमण विरोधी अभियान कोर्ट के कहने पर किया जा रहा है। लाथा सराय गांव की जमीन पर बना महरौली पुरातत्व उद्यान करीब 55 स्मारकों का स्थल है, जो एएसआई, जीएनसीटीडी और डीडीए के राज्य पुरातत्व विभाग के संरक्षण में हैं। अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए 12 दिसंबर को नोटिस चस्पा किया गया था। उच्च न्यायालय ने अतिक्रमण को हटाने के लिए कई बार निर्देश दिया है। कोर्ट के आदेश के तहत महरौली पुरातत्व उद्यान में आने वाले क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाकर इन्हें सुरक्षित और संरक्षित किया जा रहा है। डीडीए का कहना है कि उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार दिसंबर 2021 में दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग ने डीडीए और वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सीमांकन का कार्य किया था।

जी-20 सम्मेलन के दौरान दिल्ली की सड़कों पर जमा नहीं होगा पानी, पुलिस महकमा एक्शन में

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सर्वे में ये खुलासा हुआ है। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने जी-20 सम्मलेन के दौरान जलभराव को रोकने के लिए स्थानीय निकायों से संपर्क साधा हैं। सर्वे के आधार पर सभी एजेंसियों को पत्र लिखा गया है। ट्रैफिक पुलिस ने गृहमंत्रालय को इसकी जानकारी दी है।

दिल्ली। राजधानी में सबसे ज्यादा जलभराव रोहतक रोड और एमबी रोड (पुल प्रह्लादपुर अंडरपास) पर होता है। चार वर्ष में यहां 16-16 जगहों पर पानी भर गया था। इसके अलावा वर्ष 2022 में दिल्ली में कुल 207 जगहों पर पानी जमा हुआ था।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सर्वे में ये खुलासा हुआ है। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने जी-20 सम्मलेन के दौरान जलभराव को रोकने के लिए स्थानीय निकायों से संपर्क साधा हैं। सर्वे के आधार पर सभी एजेंसियों को पत्र लिखा गया है। ट्रैफिक पुलिस ने गृहमंत्रालय को इसकी जानकारी दी है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सितंबर में जब जी-20 सम्मेलन होगा तो मानसून का मौसम होगा। ऐसे में सड़कों पर पानी जमा होने की संभावना होगी। इस कारण ट्रैफिक पुलिस ने सर्वे करवाया है। इससे ये पता लगा रहा है कि दिल्ली की सड़कों पर कहां जलभराव होता है।

सर्वे के मुताबिक, हर साल जलभराव के स्थान बढ़ते जा रहे हैं। वर्ष 2022 में ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन व सोशल मीडिया पर 132 शिकायतें आईं थीं। वर्ष 2021 में 211 जगहों पर जलभराव व 297 शिकायतें, वर्ष 2020 में 145 जगहों पर जलभराव व 175 शिकायतें और वर्ष 2019 में 82 जगहों पर जलभराव व 112 शिकायतें आईं थीं।

सर्वे से ये भी पता लगा कि रोहतक रोड व एमबी रोड पर सबसे ज्यादा जभराव होता है, जबकि ये दोनों प्रमुख मार्ग हैं। रोहतक रोड पर राजधानी पार्क मेट्रो स्टेशन (दोनों कैरिज्वे) पर वर्ष 2019 में 2 जगह, वर्ष 2020 में 2, वर्ष 2021 में 8 व वर्ष 2022 में चार जगह पर जलभराव हुआ था। इस तरह एमबी रोड पर पुल प्रह्लादपुर अंडरपास में वर्ष 2019 में एक, वर्ष 2020 में 6, वर्ष 2021 में 7 और वर्ष 2022 में दो जगहों पर जलभराव हुआ था।

शादी में जा रहे युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या, ये है पूरा मामला

बुलंदशहर के स्याना में शुक्रवार की देर रात गांव वैराफिरोजपुर में शादी में जा रहे युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। आरोपी युवक घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया।

बुलंदशहर। सूचना पर पंहुची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव वैराफिरोजपुर निवासी युवक संजय शादी में शामिल होने के लिए जा रहा था। रास्ते में गांव के ही एक युवक ने उसे रोक लिया और कहासुनी के बाद चाकुओं से गोदकर हत्या कर फरार हो गया। संजय की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। सूचना पर एसपी सिटी ने मौके पर पंहुचकर परिजनों से जानकारी हासिल की व अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सीओ वंदना शर्मा ने बताया कि संजय व गांव निवासी महेंद्र के बीच पैसों को लेकर कहासुनी हो गयी थी जिसके बाद घटना को अंजाम दिया गया हैं। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रिटायर्ड आईएएस के घर का ताला तोड़ स्कूटी और मलेशिया की करेंसी चुराई

गाजियाबाद। राजनगर सेक्टर-14 में चोरों ने एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी पदम सिंह के घर का ताला तोड़कर स्कूटी, नकदी और घर में रखी मलेशिया की करेंसी चुरा ली। चोर उनकी स्कूटी से फरार हो गया। सीसीटीवी कैमरे में एक चोर कैद हुआ है। उन्होंने कविनगर थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की शिनाख्त कर उसकी तलाश में जुटी है। पदम सिंह राजनगर में पत्नी शकुंतला देवी के साथ रहते हैं और उनकी बेटी व दामाद मलेशिया में रहते हैं। उनका कहना है कि बीती छह फरवरी को चोर उनके घर का ताला तोड़कर अंदर घुसा और करीब 21 हजार की मलेशिया और 10 हजार की भारतीय करेंसी चोरी कर ली। उन्होंने बेटी के पास जाने के लिए मलेशिया की करेंसी ली थी, लेकिन कोरोना की वजह से नहीं जा सके। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर चोर की तलाश की जा रही है।

बस के इंतजार में खड़े लोगों को कार ने मारी टक्कर, एक महिला की मौत; तीन घायल

खोड़ा अंडरपास के सामने सड़क किनारे कार की चपेट में आने से गई जान

एनटीवी न्यूज

गाजियाबाद। आदर्शनगर निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह अपनी मौसी वीना देवी के साथ बदायूं जाने के लिए अभयखंड में साईं मंदिर कट पर खड़े थे। काफी देर तक परिवहन निगम की बस नहीं आने की वजह से अन्य लोग भी वहां आकर खड़े हो गए। इस बीच दिल्ली की तरफ से तेज रफ्तार में एक गाड़ी ने चार लोगों को रौंद दिया। इंदिरापुरम में एनएच-9 पर अभयखंड के सामने बदायूं जाने वाली बस के इंतजार में खड़े चार लोगों को तेज रफ्तार कार ने सुबह छह बजे जोरदार टक्कर मार दी। इसमें खोड़ा निवासी वीना देवी की अस्पताल पहुंचने के बाद मौत हो गई। वहीं, घायल तीन लोगों को भी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस को मृतका के भांजे ने चालक के खिलाफ मुकदमा कराया है। आदर्शनगर निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह अपनी मौसी वीना देवी के साथ बदायूं जाने के लिए अभयखंड में साईं मंदिर कट पर खड़े थे। काफी देर तक परिवहन निगम की बस नहीं आने की वजह से अन्य लोग भी वहां आकर खड़े हो गए। इस बीच दिल्ली की तरफ से तेज रफ्तार में एक गाड़ी ने चार लोगों को रौंद दिया, जिसमें उनकी मौसी वीना देवी भी शामिल थीं। उनको सिर और शरीर के कई हिस्सों में चोट आईं। तुरंत यातायात पुलिस और अन्य लोग घायलों को निजी अस्पताल ले गए। वहां मौसी की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, आरोपी चालक गाड़ी लेकर घटनास्थल से फरार हो गया। लोगों ने उसे पकड़ने के लिए पीछा भी किया लेकिन इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस का गाड़ी नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि गाड़ी को ट्रेस कर लिया है। चालक को जल्द दबोच लिया जाएगा।

इनसाइड

युवक ने आत्महत्या करने से पहले बनाया वीडियो, पत्नी को बताया जिम्मेदार

गाजियाबाद के राहुल गार्डन कालोनी इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जान दे दी हैं। युवक ने फांसी लगाने से पहले खुद का एक वीडियो भी बनाया है जिसमें वो अपनी आत्महत्या के बीच अपनी पत्नी को जिम्मेदार ठहरा रहा है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी स्थित राहुल गार्डन कालोनी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने फांसी लगाने से पहले अपना एक वीडियो बनाया और आत्महत्या के लिए पत्नी को जिम्मेदार बताया है। मृतक के परिवार वालों ने पत्नी व उसके मायके वालों के खिलाफ तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। राहुल गार्डन कालोनी में रहने वाले 30 वर्षीय प्रदीप परिवार के साथ रहते थे। वह पेशे से वाहन चालक था। मृतक के भाई जितेंद्र ने बताया कि प्रदीप की शादी करीब सात वर्ष पहले हुई थी और उसकी दो साल की बेटी भी है, लेकिन प्रदीप की पत्नी किसी व्यक्ति से फोन पर बात करती थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा रहता था। वहीं, युवक के भाई ने बताया कि प्रदीप की पत्नी अपने मायके वालों को बुलाकर उसके साथ मारपीट कराती थी। 13 जनवरी को भी दोनों बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद वह बेटी को लेकर अपने मायके चली गई थी।

10 दिन से महिला पत्रकार का पीछा करने वाला अरेस्ट, रिटायर्ड इंस्पेक्टर का बेटा है आरोपी

महिला पत्रकार ने ट्वीट कर पुलिस से शिकायत की कि वह शनिवार सुबह करीब चार बजे गाजियाबाद से नोएडा अपने ऑफिस जा रही थी।

गाजियाबाद। 10 दिन से महिला पत्रकार का पीछा करने वाले आरोपी अजय प्रताप निवासी शास्त्रीनगर को कविनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक टीवी चैनल की एंकर ने शनिवार सुबह सवा पांच बजे ट्वीट कर गाजियाबाद पुलिस से शिकायत की थी कि लाल रंग की कार में उनका कोई पीछा कर रहा है। दो बार उसने हाईवे पर ओवरटेक कर उन्हें रोकने का भी प्रयास किया। महिला पत्रकार ने ट्वीट कर पुलिस से शिकायत की कि वह शनिवार सुबह करीब चार बजे गाजियाबाद से नोएडा अपने ऑफिस जा रही थी। इसी दौरान लाल रंग की कार जिसके पिछले शीशे पर पुलिस का स्टीकर लगा था और काले शीशे थे। जो उनका पिछले 10 दिन से पीछा कर रही है। उन्होंने कार नंबर भी ट्वीट कर पुलिस से संबंधित की जानकारी निकलवाकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई।

एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अजय के पिता यूपी पुलिस से सेवानिवृत्त हैं। इसलिए उसकी कार पर पुलिस का स्टीकर लगा था।

कार में ही रात बिताता है आरोपी

पुलिस ने बताया कि आरोपी शराब का आदी है। पत्नी से उसका झगड़ा रहता है। वह अक्सर अपनी कार में ही सोता और रहता है। जानकारी करने पर पता चला कि परिवार ने आरोपी को पूर्व में कई बार व्यापार कराया लेकिन उसे छोड़ दिया। इसके अलावा उसे संगीत का भी शौक है। कई वाद्य यंत्र उसके घर पर हैं। पुलिस का कहना है आरोपी से पीछा करने के कारण की विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

क्लीनिक में घुसकर डाक्टर की गोली मारकर हत्या, पैदल ही आए थे तीनों हत्यारे

गाजियाबाद में डॉक्टर की हत्या का मामला सामने आया है। तीन युवकों ने क्लीनिक में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच में जुटी है।

मुरादनगर। गाजियाबाद के मुरादनगर के आर्यनगर कालोनी में शनिवार रात को क्लीनिक में घुसकर एक डॉक्टर को गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। आर्यनगर कालोनी डॉ. शमशाद परिवार के साथ रहते हैं। वह घर में ही अपना क्लीनिक चलाते हैं। बताया गया है कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे वह मरीज देखने के बाद अपने क्लीनिक पर बैठे थे। इसी बीच तीन युवक पैदल ही आए। युवकों ने क्लीनिक में घुसते ही डॉक्टर पर ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी। बताया गया है कि डॉक्टर को तीन गोली लगी है। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर नीचे गिर गए। गोली मारने के बाद बदमाश आराम से हथियार लहराते हुए फरार हो गए।

गोली की आवाज सुन मौके पर पहुंचे लोगों ने उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन हालत खराब होने पर मोदीनगर रेफर किया गया, जहां पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सतीश कुमार मौके पर पहुंचे और गोली मारने वाले बदमाशो की तलाश करनी शुरू कर दी। हत्या का कारण अभी तक पता नहीं चला है। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया की घटना की सूचना पुलिस को रात ग्यारह बजे के आसपास मिली है। हत्या करने का क्या कारण हैं, इसका अभी तक पता नहीं चला है। तहरीर आने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। जल्द ही हत्या का खुलासा कर दिया जाएगा।

दोस्त निकली दगाबाज: बिटकॉइन में निवेश कराने का झांसा देकर ट्रेडर्स को बनाया बंधक, 96 लाख हड़पे, रिपोर्ट दर्ज

आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर पीड़ित संदीप कुमार का मोबाइल लेकर करीब 90 लाख रुपये कीमत के डॉलर व बिटकॉइन अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। इतना ही नहीं उसकी कार में रखे 1.50 लाख रुपये भी ले लिए।

मुरादनगर (गाजियाबाद) नोएडा के एक ट्रेडर्स को बंधक बनाकर 6.50 लाख रुपये, करीब 90 लाख रुपये कीमत के बिटकॉइन और डॉलर अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। विरोध करने पर पिस्टल की बट मारकर ट्रेडर्स को घायल कर दिया। इतना ही नहीं सफेद कागज पर हस्ताक्षर कराकर वीडियो भी बनाया। आरोपी अभी पांच लाख रुपये रंगदारी और मांग रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नोएडा के टावर एएस चैरी कांटी निवासी संदीप कुमार जमववाल ट्रेडर्स हैं। वह बिटकॉइन और निवेश पर क्लास भी देते हैं। संदीप कुमार ने बताया कि मुझे तीन फरवरी को आशु चौधरी मिली, जिससे उनकी तीन साल पुरानी जान पहचान है। आशु चौधरी ने कहा कि मेरी नौकरी लगवा दो। इसके बाद संदीप ने एक ई-बाइक कंपनी में उसकी नौकरी की बात कर ली। इसके बाद महिला ने कहा कि मैं बिटकॉइन में निवेश भी कराती हूं, मेरे पास निवेशक भी हैं। सात फरवरी को महिला ने मुरादनगर में मोनू नाम के युवक से संदीप से मुलाकात कराई। इसके बाद उसे एक घर में ले गए जहां, आशु चौधरी, मोनू के अलावा शेखर चौधरी नाम नाम का युवक भी मौजूद था।

आरोप है कि तीनों ने घर में घुसते ही मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर पिस्टल की बट सिर में मारकर घायल कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर संदीप कुमार का मोबाइल लेकर करीब 90 लाख रुपये कीमत के डॉलर व बिटकॉइन अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। इतना ही नहीं उसकी कार में रखे 1.50 लाख रुपये भी ले लिये, अगले दिन संदीप ने अपने दोस्त को फोन करके पांच लाख रुपये मंगवाये थे, जब जाकर उसे आरोपियों ने छोड़ा था।

संदीप कुमार से आरोपी पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग और कर रहे हैं, रुपये न देने पर आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहे हैं। स्वास्थ्य ठीक होने के बाद शुक्रवार रात संदीप थाने पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि नोएडा निवासी संदीप कुमार जमववाल की तहरीर पर आशु चौधरी, मोनू और शेखर चौधरी के खिलाफ रंगदारी समेत अन्य धारा में रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

घर से निकलने वाले मलबे के लिए देने होंगे 1025 रुपये

साहिबाबाद। नगर निगम ने सीएनडी वेस्ट यानि मलबे के उठान व निस्तारण के लिए धनराशि तय कर दी है। निर्माण कार्य और तोड़फोड़ के बाद निकले मलबे को उठवाने व निस्तारण कराने के लिए प्रति एमटी 1025 रुपये खर्च करने होंगे। वहीं, सड़क पर मलबा फेंकने वालों के खिलाफ भी नगर निगम जुर्माने के साथ मुकदमा लिखवाकर कानूनी कार्रवाई भी करेगा। अधिकारियों ने लोगों को सख्त हिदायत देते हुए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषणकारियों के खिलाफ मुकदमे भी कराने शुरू कर दिए हैं।

शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक सामान्य दिनों में खतरनाक क्षेणी में चला जाता है। वसुंधरा जोन में इस तरह की स्थिति बनी रहती है। इसके पीछे का कारण निर्माण कार्यों के दौरान निकलने वाले मलबे का निस्तारण नहीं होना माना गया है। नगर निगम के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया कि निर्माण कार्य से उत्सर्जित होने वाला मलबा भी एक चुनौती है। इससे शहर की सुंदरता प्रभावित होती है और इससे बढ़ने वाला प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालता है। इस वेस्ट की समस्या से निपटने के लिए नंदग्राम में सीएंडडी प्लांट का संचालन किया जा रहा है। शहरवासी प्लांट में अपने मलबे का निस्तारण करा सकते हैं। अगर फिर भी कोई सड़क पर मलबा फेंकता है तो नगर निगम चिंहित कर कार्रवाई करेगी।

इतनी देनी होगी धनराशि

घर से मलबा उठवाने के लिए 509 रुपये प्रति एमटी और निस्तारण के लिए 516 रुपये प्रति एमटी देना तय किया है। सड़क पर मलबा फेकने से गंदगी व प्रदूषण की समस्या होती है। इससे निपटने के लिए नगर निगम की ओर से कदम उठाया गया है। अगर अब कोई खुले में मलबा डालता है तो निगम की ओर से उस पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई करेगा।

केस नंबर एक

नगर निगम निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अनूप कुमार ने वसुंधरा जोन स्थित साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में शिवा ऑटो कार महिंद्रा एजेंसी ने सड़क पर सीएंडडी वेस्ट डाला हुआ था। 11 जनवरी 2023 को एजेंसी को दो दिन में वेस्ट सड़क से हटाने का नोटिस दिया गया लेकिन चार फरवरी तक भी सड़क से वेस्ट नहीं हटाया गया। एजेंसी ने इसकी क्षतिपूर्ति धनराशि जमा कराने से मना कर दिया। इस पर नगर निगम की ओर से लिंक रोड थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

केस नंबर दो

नगर निगम सहायक अभियंता अनूप कुमार ने नेहरू नगर एफ-9 सेकेंड में सड़क पर पड़े सीएंडडी वेस्ट हटाने को नोटिस दिया था। वेस्ट नहीं हटाने पर डीपी शर्मा व केके शर्मा के खिलाफ सिहानी गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया। वहीं मालीवाड़ा में हापुड़ रोड पुल के नीचे दीपक मेडिकल स्टोर के सामने वेस्ट हटाने के लिए नोटिस दिया गया लेकिन वेस्ट नहीं हटाने पर सोनू के खिलाफ सिहानी गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

देश की सबसे बेहतरीन सनरूफ कारें, कीमत मात्र 10 लाख रुपये के आस-पास

भारत की किफायती सनरूफ फीचर वाली गाड़ियां
अगर आप महिन्द्रा की गाड़ियों के दीवाने हैं और किफायती कीमत में महिंद्रा की सनरूफ फीचर से लैस गाड़ी को खरीदना चाहते हैं तो आपके लिए महिंद्रा एक्सयूवी 300 बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। इस गाड़ी की शुरूआती कीमत लगभग 10 लाख रुपये के आस-पास है।

नई दिल्ली। सनरूफ वाली गाड़ियों का इंडियन मार्केट में इस समय काफी क्रेज है। इस समय जो भी गाड़ियां लॉन्च हो रही हैं उसमें आप देख सकते हैं। हअगर आप भी ऐसी किसी गाड़ी की तलाश कर रहे हैं तो इस खबर में आपको बताने जा रहे हैं उन टॉप गाड़ियों के बारे में जिनमें सनरूफ फीचर दिया गया है। इनकी कीमतें 10 लाख रुपये के आस-पास है।

टाटा नेक्सॉन

टाटा नेक्सॉन इस समय सबसे किफायती कीमत में आने वाली SUV कार है। इसके टॉप मॉडल में आप सनरूफ फीचर देख सकते हैं। सनरूफ फीचर्स से लैस इस गाड़ी की कीमत 9 लाख 30 हजार रुपये एक्स-शोरूम है। टाटा नेक्सॉन टाटा की सबसे अधिक बिकने वाली गाड़ियों में एक है।

महिंद्रा एक्सयूवी 300

अगर आप महिन्द्रा की गाड़ियों के दीवाने हैं और किफायती कीमत में महिंद्रा की सनरूफ फीचर से लैस गाड़ी को खरीदना चाहते हैं तो, आपके लिए महिंद्रा एक्सयूवी 300 बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। इस गाड़ी की शुरूआती कीमत लगभग 10 लाख रुपये के आस-पास है। सेफ्टी और परफॉर्मेंस के लिहाज से भी ये गाड़ी बेस्ट है।

किआ सोनेट

किआ की भारत में सबसे अधिक बिकने वाली कारों में से एक किआ सोनेट में भी सनरूफ फीचर्स देखने को मिलता है। अगर आप विदेशी लुक वाली इस गाड़ी को पसंद करते हैं तो ये आपके लिए बेस्ट हो सकता है। किआ सोनेट दिखने में बड़ी ही कमाल की गाड़ी है। इसकी शुरूआती कीमत 10 लाख 24 हजार रुपये एक्स-शोरूम है।

हुंडई वेन्यू

हुंडई वेन्यू के SX वेरिएंट में आपको सनरूफ फीचर्स देखने को मिलेगा। इसकी शुरुआती कीमत 10 लाख 70 हजार रुपये एक्स-शोरूम है।

इनसाइड

घर में ईवी चार्जर कैसे करें इंस्टाल? आसान भाषा में समझें स्टेप बॉय स्टेप तरीका

इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट इंस्टाल होने के बाद आप आप अपनी ईवी चार्ज कर सकते हैं। हालांकि घर पर चार्जिंग करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए जैसे कि तुरंत गाड़ी को धुलने के बाद उसे चार्जिंग में लगाने से बचना चाहिए नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता है।

नई दिल्ली। यदि आप इलेक्ट्रिक कार या इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के मालिक हैं और आपको अपने व्हीकल को चार्ज करने में समस्या आ रही है तो आप इसे अपने घर पर ही चार्ज कर सकते हैं। घर में ईवी चार्जर को कैसे इंस्टाल करना होगा उसके बारे में आपको संपूर्ण जानकारी नीचे दी जा रही है।

अगर आपका एक ही परिवार है और आपके पास इलेक्ट्रिक व्हीकल है तो आपको लेवल 2 चार्जर की जरूरत पड़ेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कई प्रकार के चार्जर हैं। हालांकि, यदि आप इसे अपने निजी वाहन के लिए यूज करते हैं तो लेवल 2 से आपका काम बन जाएगा। ईवी चार्जर को इंस्टाल करने के लिए सबसे पहले एक सर्टिफाइड इलेक्ट्रीशियन हायर करें। ताकि वह आपके घर के बनावट और वायरिंग इंफ्रा को देखकर सही जगह को बता सके। काम ठीक से और सुरक्षित रूप से करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन के बुनियादी ढांचे के बारे में ज्ञान रखने वाले एक प्रमाणित इलेक्ट्रीशियन को काम पर रखना उचित है। यह आपके घर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए भी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट इंस्टाल होने के बाद आप आप अपनी ईवी चार्ज कर सकते हैं। हालांकि, घर पर चार्जिंग करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे कि तुरंत गाड़ी को धुलने के बाद उसे चार्जिंग में लगाने से बचना चाहिए, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता है।

इन स्टेप को फॉलो करके घर पर ही बनाएं ईवी चार्जिंग प्वाइंट

Step 1 : इलेक्ट्रिशियन को हायर करें

Step 2 : परमिशन लें

Step 3 : सही जगह ढूढें

Step 4 : लेवल 2 चार्जर को खरीदें

Step 5 : चार्जर को इंस्टॉल करवाएं

Citroen eC3 की ऑफिसियल बुकिंग शुरू, मात्र 25 हजार में इस इलेक्ट्रिक कार को कर सकते हैं अपने नाम

Citroen eC3 दो वैरिएंट्स में आती है जिसमें लाइव और फील शामिल है। अंदर eC3 में 3-स्पोक फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वायरलेस Apple CarPlay और Android Auto कनेक्टिविटी के साथ 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 35 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाएं मिलती हैं। (जागरण फोटो)

नई दिल्ली। Citroen India ने आज घोषणा की कि नई Citroen eC3 इलेक्ट्रिक की बुकिंग शुरू हो गई है। ईवी खरीदने के इच्छुक ग्राहक कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या ऑफलाइन अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाकर कार बुक कर सकते हैं। बुकिंग राशि 25,000 रुपये रखी गई है। EV फरवरी तक शोरूम में आ जाएगी और कीमत की घोषणा भी फरवरी 2023 में की जाएगी। ईसी3 में 29.2 kWh बैटरी पैक और 3.3 kW ऑनबोर्ड एसी चार्जर का इस्तेमाल किया गया है। इसमें एक फ्रंट-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर दिया गया है जो 56 बीएचपी की मैक्सिमम पॉवर और 143 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है। Citroen eC3 दो वैरिएंट्स में आती है, जिसमें लाइव और फील शामिल है। अंदर eC3 में 3-स्पोक फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वायरलेस Apple CarPlay और Android Auto कनेक्टिविटी के साथ 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 35 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाएं मिलती हैं।

टॉप स्पीड और चार्जिंग टाइम

Citroen का दावा है कि eC3 ईवी 6.8 सेकंड में 0-60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। वहीं इसकी मैक्सिमम स्पीड107 किमी/घंटा है। होम चार्जर का उपयोग करके बैटरी को चार्ज करने में 10.5 घंटे लगते हैं, लेकिन DC फास्ट चार्जर का उपयोग करके 10-80% चार्ज करने में सिर्फ 57 मिनट लगते हैं।

Citroen eC3 वारंटी

Citroen eC3 3 साल / 1,25,000 किमी की वारंटी के साथ आता है। इसके अलावा, कार निर्माता बैटरी पैक पर 7 साल / 1,40,000 किमी की वारंटी और इलेक्ट्रिक मोटर पर 5 साल / 1,00,000 किमी की वारंटी भी ऑफर करती है।

लोगों को खूब भा रही Maruti Jimny, 8 दिनों में मिली 9000 बुकिंग; जानिए इसकी खासियत

मारुति जिम्नी 5-डोर ऑल ब्लैक थीम वाले केबिन के साथ आता है। इसके डैशबोर्ड पर 9-इंच का टचस्क्रीन स्मार्टप्ले प्रो+ इंफोटेनमेंट सिस्टम वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ इसमें पैसेंजर साइड पर एक डैशबोर्ड-माउंटेड ग्रैब हैंडल और फॉक्स एक्सपोज्ड बोल्ट भी मिलता है।

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने इस महीने की शुरुआत में ऑटो एक्सपो 2023 में अपनी जिम्नी 5-डोर एसयूवी को पेश किया था। लंबे इंतजार के इस एसयूवी को देख लोग इसको खरीदने के लिए टूट पड़े हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 12 जनवरी से लेकर अब तक इसकी 9000 तक बुकिंग हो चुकी है। जानकारी के लिए बता दें, शुरुआत में बुकिंग की लागत 11,000 रुपये थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है।

कैसे करें बुक

अगर आप भी जिम्नी को खरीदने का प्लान बना रहे हैं। तो इसको बुक करने के लिए ग्राहक अपने नजदीकी डीलरशिप या कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जा सकते हैं। अगर आप ऑनलाइन तरीके से नई जिम्नी को बुक कर रहे हैं तो इसके लिए आपको नाम, पता, फोन नंबर, शहर और राज्य की जानकारी देनी होगी। इसके अलावा, कार का मॉडल, वेरिएंट और कलर शेड को भी चुनना होगा। इसके बाद बुकिंग मनी का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद मारुति जिम्नी आपके नाम पर बुक हो जाएगी।

फीचर्स

मारुति जिम्नी 5-डोर ऑल ब्लैक थीम वाले केबिन के साथ आता है। इसके डैशबोर्ड पर 9-इंच का टचस्क्रीन, स्मार्टप्ले प्रो+ इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ इसमें पैसेंजर साइड पर एक डैशबोर्ड-माउंटेड ग्रैब हैंडल और फॉक्स एक्सपोज्ड बोल्ट भी मिलता है। ऑफ रोड एसयूवी होने की वजह से इस मॉडल में सेफ्टी के बहुत से फीचर्स दिए गए हैं। इसमें 6 एयरबैग, हिल होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी, हिल डिसेंट कंट्रोल, रियर-व्यू कैमरा और ईबीडी के साथ एबीएस जैसे सेफ्टी फीचर्स देखने को मिलते हैं।

खास है जिम्नी का इंजन

जिम्नी में 1.5-लीटर K15B पेट्रोल इंजन मिलता है, जिसे 103bhp की पावर और 134Nm का पीक टॉर्क जनरेट करने के लिए ट्यून किया गया है। ट्रांसमिशन के लिए इस कार को '2WD-हाई', '4WD-हाई' और '4WD-लो' के साथ लो रेंज ट्रांसमिशन विकल्प दिया गया है और 4-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक या 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स देखने को मिलता है।

भ्रष्टाचार खत्म: अमृत काल की सबसे बड़ी सफलता

ललित गर्ग

हमारे देश में भ्रष्टाचार नियंत्रण के लिए समय-समय पर प्रशासनिक सुधार पर बल दिया जाता रहा है। अनेक समितियां बनाई गयीं, जिनकी रिपोर्ट में प्रशासनिक सुधार के महत्वपूर्ण बिंदुओं को स्पष्ट सुझाया गया, जिसमें नौकरशाही को पारदर्शी, जवाबदेह तथा मजबूत बनाया जा सके।

नरेन्द्र मोदी शासन के जिम्मेदारी भरे बजट-2023 ने समावेशी आर्थिक समृद्धि और वैश्विक महत्वाकांक्षा के साथ उस 'नए भारत' की नींव रखी है, जो अपनी स्वाधीनता के सौवें वर्ष में साकार होगा। यह बजट 'अमृत काल' को सबसे अच्छे ढंग से रेखांकित करता है। निश्चित ही सरकार की नजर अमृतकाल पर है। उसी दृष्टि से रणनीतियां एवं योजनाएं बन रही हैं। पिछले वर्ष भी अमृतकाल बजट चर्चा के केन्द्र में था। भारत का केन्द्रीय बजट एवं मोदी सरकार की नीतियां भी बहुत हद तक साल 2047 को लक्ष्य करके बनायी जा रही हैं। उस समय तक भारत को दुनिया का एक विकसित देश बना देने का विचार है, लेकिन इस लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे बड़ी बाधा है अनियंत्रित भ्रष्टाचार।

भ्रष्टाचार मुक्त नौकरशाही बनाना अत्यावश्यक है क्योंकि नौकरशाही देश के विकास के कार्यों को प्रचालित करने में मेरुदंड का कार्य करती है साथ ही सुदृढ़ समाज की स्थापना भी करती है। अधिकारियों को सार्वजनिक जीवन में शुचिता के मापदंडों पर खरा उतरने के लिए पूरे प्रयास करने चाहिए। भारत के वरिष्ठ नौकरशाह और चीफ विजिलेंस कमिश्नर रहे एन विट्ठल ने कहा था कि राजनीतिज्ञों से ज्यादा नौकरशाह भ्रष्ट हैं, क्योंकि राजनेताओं को तो जनता एक समय बाद हटा सकती है, लेकिन नौकरशाह पूरी सेवा काल तक भ्रष्टाचार करता रहता है। काफी हद तक यह सही भी प्रतीत होता है, क्योंकि राजनेता पर प्रत्येक पांच वर्ष बाद चुने जाने का दबाव होता है, जो नौकरशाह पर नहीं होता है।

आजादी का अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अपेक्षित विकास न हो पाने के कारणों पर आकलन किया जाये तो भ्रष्टाचार सर्वोपरि है। भ्रष्टाचार के कारण एक तो कुछ ही लोगों के पास धन एकत्रित होता है, साथ ही बाजार में कृत्रिम वृद्धि लाता है जिससे वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि होती है और वस्तुएं गरीब व्यक्ति की पहुँच से बाहर हो जाती हैं। भारत विश्व में तेजी से उभरती हुयी अर्थव्यवस्था है। लेकिन भारत में काला धन और भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या है। वस्तुतः कालाधन अघोषित आय है जिस पर टैक्स की देनदारी बनती है लेकिन उसकी जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को नहीं दी जाती। काले धन के उत्पन्न होने के कई कारण हैं जैसे स्मगलिंग, पोचिंग ड्रग्स, घोटाले, जालसाजी, भ्रष्टाचार आदि से काला धन उत्पन्न होता है। काले धन के कारण भारत में समानांतर

अर्थव्यवस्था खड़ी है, जो भारत के समावेशी विकास में बाधा है। काले धन के कारण ही इस उभरती हुई अर्थव्यस्था में भ्रष्टाचार एक गंभीर मुद्दा है।

नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले देश का प्रधानमंत्री बनते ही भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संकल्प लिया। उन्होंने न खाऊंगा और न खाने दूंगा का शंखनाद किया, उनके दो बार के प्रधानमंत्री के कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण पाने के लिये अनेक कठोर कदम उठाये गये हैं और उसके परिणाम भी देखने को मिले हैं, लेकिन भ्रष्टाचार फिर भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। भ्रष्टाचार की जटिल से जटिल होती स्थितियों को देखते हुए ही केंद्रीय सतर्कता आयोग ने हाल ही में सरकारी संस्थानों, मंत्रालयों और नागरिकों के लिए छह बिंदुओं का सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र जारी किया, जिसमें उनसे भ्रष्टाचार मुक्त भारत की संकल्पना के साथ जुड़ने का आह्वान किया गया है। प्रतिज्ञा पत्र को आयोग ने भ्रष्टाचार मुक्त देश के लिए विशेष अभियान के तौर पर पेश किया है। राष्ट्र में भ्रष्टाचार के विरुद्ध समय-समय पर ऐसी क्रांतियां एवं प्रशासनिक उपक्रम होते रहे हैं। लेकिन उनका लक्ष्य, साधन और उद्देश्य शुद्ध न रहने से उनका दीर्घकालिक परिणाम संदिग्ध रहा है। प्रश्न है कि बजट हो या सरकार के संकल्प, या फिर सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र क्या इनका हश्र ढाक के तीन पात ही होना है? अमृत की राह में भ्रष्टाचार बड़ा रोड़ा है, देश को भ्रष्टाचार मुक्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

हमारे देश में भ्रष्टाचार नियंत्रण के लिए समय-समय पर प्रशासनिक सुधार पर बल दिया जाता रहा है। अनेक समितियां बनाई गयीं, जिनकी रिपोर्ट में प्रशासनिक सुधार के महत्वपूर्ण बिंदुओं को स्पष्ट सुझाया गया, जिसमें नौकरशाही को पारदर्शी, जवाबदेह तथा मजबूत बनाया जा सके। इसी उद्देश्य से वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार भी लाया गया, जिसमें जनता, सरकारी कार्यों में सहभागिता को निर्धारित कर सके और जनता तथा सरकार के बीच नजदीकियां बढ़ें, ताकि पारदर्शिता को बढ़ावा मिल सके और भ्रष्टाचार कम हो सके। सरकारी कार्यों में यदि जनता का हस्तक्षेप होगा, तो निश्चित तौर पर भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया जा सकेगा, लेकिन भारत में नागरिक समाज की कमी एवं उदासीनता के कारण लोग मात्र अपने अधिकारों की अपेक्षा करते हैं, कर्तव्यों को तरजीह नहीं देते। इसी कारण लोग आरटीआई का उपयोग निजी हित तथा दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए करने लगे जिससे आरटीआई भी अपने लक्ष्यों से भटक गयी। सुशासन की अवधारणा भी भारत में अधूरी ही रही है, क्योंकि सुशासन का अर्थ ही यही है कि सरकार के कार्यों को कम करने के लिए लोगों की सहभागिता, लेकिन नागरिक समाज की कमी, उपेक्षा एवं उदासीनता उद्देश्यों को पूर्ण करने में बाधा बन रही है।

भ्रष्टाचार ने तो भारत की शिक्षा व्यवस्था को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। जैसे उच्च शिक्षा मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि में भ्रष्टाचार के कारण देश में कुशल डॉक्टरों और इंजीनियरों के अभाव से देश को गुजरना पड़ रहा है। डॉक्टरों की अकुशलता के कारण मरीजों का कई बार सही इलाज न होने के कारण प्राण संकट में पड़ जाता है। अर्थात पैसे के बल पर ये लोग मेडिकल कालेजों में प्रवेश पाते हैं जो उसके योग्य होते ही नहीं हैं। इस तरह स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ ख़िलवाड़ जघन्य अपराध है। भ्रष्टाचार के कारण ही मकान, जमीन, उच्च शिक्षा और ऐसी अनेक वस्तुओं के मूल्य में कृत्रिम वृद्धि होने के कारण देश की बहुत बड़ी आबादी इन वस्तुओं तक अपनी पहुँच बनाने में असमर्थ होती है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार भ्रष्टाचार के माध्यम से जमा किया गया काला धन बेनामी संपत्ति को बढ़ाने के साथ साथ हवाला कारोबार को भी बल देता है। ऐसा प्रमाण है कि हवाला का उपयोग आतंकवादियों ने हथियारों की ख़रीद फरोख़्त में किया है। इसलिये देश को भ्रष्टाचार और काले धन नामक दीमक से मुक्त कराने हेतु कठोर कदम उठाए गये हैं।

भ्रष्टाचार को बलशाली बनाती है रिश्वत। रिश्वत एक नासूर है। रिश्वत देने वाला काम जल्दी होने की उम्मीद में रिश्वत दे रहा है। लेने वाला काम करने के बदले रिश्वत ले रहा है। यानी भ्रष्ट-व्यवस्था कायम है। काम में विलम्ब या आम आदमी को परेशान करना- यह भ्रष्टाचार को पोषित करने की जमीन है। भले ही अपेक्षित सारे काम करना सरकारी कर्मचारी-अधिकारी की जिम्मेदारी हो, फिर भी भ्रष्टाचार को शिष्टाचार एवं रिश्वत को एक तरह से सुविधा शुल्क मान लिया गया है और इसके लेन-देन को लेकर कहीं कोई अपराध बोध नहीं दिखाई देता। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर इस भ्रष्टाचार को खत्म कैसे किया जाए? क्या सिर्फ इस तरह के बजट-प्रावधान, सरकारी संकल्पों, प्रतिज्ञा पत्र से भ्रष्टाचार दूर होगा? असल में जरूरत है नीचे से लेकर ऊपर तक सुधार करने की। नीचे का व्यक्ति तभी सुधर सकता है, जब ऊपर बैठा हुआ व्यक्ति भी उस सुधार के लिए प्रेरित हो और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा हो।

आजकल राष्ट्र में थोड़े-थोड़े अन्तराल के बाद ऐसे-ऐसे घोटाले, आर्थिक काण्ड, प्रशासनिक रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार के किस्से उद्घाटित हो रहे हैं कि अन्य सारे समाचार दूसरे नम्बर पर आ जाते हैं। पुरानी कहावत तो यह है कि "सच जब तक जूतियां पहनता है, झूठ पूरे नगर का चक्कर लगा आता है।" भ्रष्टाचार देश में अगर बढ़ रहा है, तो किसकी जिम्मेदारी बनती है? भ्रष्टाचार को कौन खत्म करेगा? आजादी के 75वें साल में इस सवाल का उठना अपने आप में गंभीर बात है। इसीलिये आजादी के अमृत स्वप्न में भ्रष्टाचार से मुक्ति भी शामिल है। आज भ्रष्टाचार पर प्रधानमंत्री अगर चिंता जता रहे हैं, तो देश अच्छी तरह से वस्तुस्थिति को समझ रहा है। प्रधानमंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि किसी के पास रहने को जगह नहीं और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है।

संपादक की कलम से

जेपीसी के मायने

भारत की आज़ादी के 75 सालों में सिर्फ आठ बार संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन करना पड़ा है। वैसे विभिन्न मंत्रालयों की संसदीय स्थायी समितियों की व्यवस्था भी है। उनमें भी कई राजनीतिक दलों के सांसद होते हैं और सबसे वरिष्ठ सांसद को समिति का अध्यक्ष तय किया जाता है। स्थायी समितियां भी मंत्रालयों के भीतर की गतिविधियों और मंत्रालय से जुड़े विषयों का अध्ययन करती हैं और सरकार को सचेत करते हुए सुझाव भी देती हैं। संयुक्त संसदीय समिति किसी अपराध या घोटाले की साझा जांच करती है। जांच के दौरान वह देश के प्रधानमंत्री को भी तलब कर सकती है। यह एक अदालत का भी विशेषाधिकार है। प्रधानमंत्री रहते हुए पीवी नरसिंह राव को एक कथित आपराधिक मामले में अदालत ने 'अभियुक्त' घोषित किया था। बहरहाल ताज़ातरीन संदर्भ अडानी समूह की कंपनियों के बही-खातों में कथित हेराफेरी, फर्जी और बेनामी कंपनियों के निवेश और प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका से जुड़ा है। अभी तक कोई आपराधिक केस दर्ज नहीं किया गया है। देश की स्वायत्त नियामक एजेंसियों ने भी किसी तरह के घोटाले की ओर संकेत नहीं किया है, लेकिन कांग्रेस समेत विपक्ष का एक तबका लगातार जेपीसी की मांग कर रहा है। क्या एक विदेशी, जालसाज, सटोरिया कंपनी की रपट पर जेपीसी का गठन करना मुनासिब है? यह यक्ष-प्रश्न हमारी व्यवस्था और देश के सामने मौजूद है। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान बोफोर्स तोप घोटाले और कथित दलाली के आरोप लगे थे।

हालांकि एक विदेशी रेडियो ने अपनी ख़बर में यह खुलासा किया था, लेकिन तत्कालीन वित्त मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह और कुछ अन्य नेताओं ने प्रधानमंत्री के खिलाफ बग़ावत की थी और यह मुद्दा उठाया था। 'इंडियन एक्सप्रेस' और 'हिंदू' सरीखे प्रतिष्ठित अख़बारों ने भी रपटें छापी थीं, नतीजतन पहली बार अगस्त, 1987 में जेपीसी का गठन किया गया। दूसरी बार 1992 में हर्षद मेहता, केतन पारिख वाले बैंकिंग लेन-देन की अनियमितताओं पर जेपीसी गठित की गई। 2001 में स्टॉक मार्केट घोटाले के मद्देनजर जेपीसी की जांच कराई गई। एक निजी संगठन के अनुसंधान पर आधारित सॉफ्ट ड्रिंक्स और अन्य पेय पदार्थों में कीटनाशक के मामले में 2003 में जेपीसी का गठन करना पड़ा। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले और 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टर खरीद मामले में 2011 में जेपीसी बिठाई गई। यह दीगर है कि अदालत ने 2जी का मामला ही खारिज कर दिया। अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी के साथ हेलीकॉप्टर करार की जांच अब भी जारी है। उसके बाद मोदी सरकार के दौरान 2015 में भूमि अधिग्रहण पुनर्वास बिल और 2016 में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के मामलों में जेपीसी का गठन किया गया। सभी जेपीसी जांचों के बावजूद ऐसा कोई ठोस और प्रत्यक्ष फैसला या निष्कर्ष सामने नहीं आया, जो भारत सरकार के खिलाफ हो अथवा हमारी स्थापित व्यवस्था को बदल सके। अधिकांश जांचें बेनतीजा ही रहीं। दरअसल जेपीसी 'राजनीतिक' ज्यादा होती है। जिस तरह बोफोर्स घोटाले का दुष्प्रचार किया गया और चुनाव में राजीव गांधी सरकार और कांग्रेस पराजित हो गईं, लेकिन बाद में अदालत का फैसला आया कि कोई घोटाला नहीं हुआ। इसी तरह पेगासस जासूसी कांड पर कांग्रेस ने संसद की कार्यवाही को लगातार बाधित किया।

13 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1542 – इंग्लैंड की रानी कैथरीन हवाई को मौत के घाट उतार दिया गया।
1575 – फ्रांस के राजा हेनरी तृतीय का रेम्स में राज्याभिषेक।
1601 – लंदन में ईस्ट इंडिया कम्पनी की पहली यात्रा का नेतृत्व जान लैंकास्टर ने किया।
1633 –
इटली के खगोलशास्त्री गैलीलियो को रोम पहुँचने पर गिरफ़्तार कर लिया गया।
वैज्ञानिक गैलीलियो गैलीलि अपने मुकदमे के लिए रोम आए।
1688 – स्पेन ने पुर्तग़ाल को एक अलग राष्ट्र स्वीकार किया।
1689 – विलियम और मैरी इंग्लैंड के संयुक्त शासक घोषित हुए।
1693 – अमेरिका के वर्जीनिया में विलियम एंड मैरी कॉलेज खुला।
1713 – दिल्ली के सुल्तान जहाँदारशाह की हत्या गला घोंट कर की गई।
1739 – करनाल के युद्ध में नादिरशाह की फ़ौज ने मुग़ल शासक मुहम्मद शाह की सेना को हराया।
1788 – भारत में ज्यादतियों के लिए वारेन हेस्टिंग्स पर इंग्लैंड में मुकदमा चलाया गया।
1795 – अमेरिका में पहला स्टेट यूनिवर्सिटी उत्तरी कैरोलिना में खुला।
1820 – फ्रांसीसी तख्त के दावेदार डक की बेरी की हत्या कर दी गई।
1856 – ईस्ट इंडिया कम्पनी का लखनऊ सहित अवध पर भी कब्ज़ा।
1861 – नेपल्स के फ्रांसीसी द्वितीय ने ग्यूसेपी गैरिबाल्डी के आगे हथियार डाले।
1880 – थॉमस एडिसन ने एडिसन इफ़ैक्ट पुष्ट किया।
1920 – अमेरिका में बेसबॉल की नीग्रो नेशनल लीग स्थापित हुई।
1931 – नई दिल्ली भारत की राजधानी घोषित हुई।
1941 – जर्मनी में नाजियों ने डच यहूदी परिषद पर हमला किया।
1945 – सोवियत संघ ने जर्मनी के साथ 49 दिन तक चले युद्ध के बाद हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट पर क़ब्ज़ा किया जिसमें एक लाख 59 हजार लोग मारे गये।
1959 – बच्चों की पसंदीदा बार्बी डॉल की बिक्री शुरू हुई।
1961 –
द्वितीय विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्रों ने बुडापोस्ट पर कब्ज़ा किया।
सुरक्षा परिषद ने कांगों में गृहयुद्ध रोकने के लिए बल प्रयोग की स्वीकृति दी।
1966 – सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया।
1974 – असंतुष्ट नोबेल विजेता अलेक्जेंडर सोलजेनित्सिन को सोवियत संघ से निकाला गया।
1975 – तुर्की ने साइप्रस के उत्तरी भाग में अलग प्रशासन की स्थापना की।

बंद दफ्तरों के आगे

हिमाचल में पिछली सरकार के अंतिम चरण के फैसलों को वर्तमान की चुनौती में देखना जितना आवश्यक है, उतना ही लाजिमी है अर्थ गणित में प्रदेश की प्राथमिकताओं को गतिशील बनाना। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की मानें तो पिछली जयराम सरकार ने तीन हजार करोड़ की होली खेलते हुए, अपने रिवाज बदलने की कोशिश में आर्थिक स्थिति का मुंडन कर दिया। करीब 590 कार्यालयों की फेहरिस्त में अब जवाबदेही ढूंढने का वक्त आया, तो इसे केवल राजनीति के परिप्रेक्ष्य में ही क्यों समझा जाए। यह भी मानना पड़ेगा कि नए संस्थानों की अंधी बारिश के बावजूद न कभी मिशन रिपीट हुआ और न ही इस बार रिवाज बदलने का संकल्प पूरा हुआ। भले ही विपक्ष कार्यालयों के डिनोटिफाइड होने को लेकर राज्यपाल तक पहुंच गया या आने वाले समय में इसको लेकर अदालती मंचन भी करे, लेकिन कहीं तो प्रदेश के लिए हमें सोचना ही पड़ेगा और इस बार यह दायित्व कांग्रेस सरकार का है। बात केवल 590 कार्यालयों के खोलने पर किए गए एतराज तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे आगे यह फैसला लेने की दृढ़ता से पता चलेगा कि जनता को असली संदेश है क्या। सरकार को अगर वित्तीय अनुशासन कामयाब करना है, तो आरंभिक तौर पर पिछली सरकार के फैसले पलटना आसान होगा, मगर यह सवाल नीति-निर्देशों की बानगी में भी देखा जाएगा, ताकि पता चले कि सुक्खू सरकार अपने तौर पर कितनी किफायत से प्रदेश को बचा रही है। यह सत्ता के लाभार्थी पदों पर नई नियुक्तियों, कार्यालयों के युक्तिकरण, अनावश्यक कार्यालयों पर कार्रवाई तथा विकास के समन्वय व प्रादेशिक संतुलन से ही सामने आएगा।

प्रदेश में सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को प्रदर्शित करते सरकार के इरादे कार्य संस्कृति को कितना सशक्त करते हैं या सरकारी मशीनरी कितनी अनुशासित हो पाती है, यह देखना होगा। नई सरकार के लिए अपने पांव जमाने और कुछ नया कर दिखाने की भले ही चुनावी शर्तें सबसे पहले सामने आ रही हैं, लेकिन स्थायी तौर पर इंस्टीच्यूट बिल्डिंग तथा संस्थानों व कार्यालयों के दायित्व निर्वहन में गुणवत्ता लाने की सबसे बड़ी चुनौती है। बहरहाल कार्यालयों की डिनोटिफिकेशन के तर्क कई अधूरे संकल्पों, अतार्किक फैसलों तथा राजनीतिक अनैतिकता की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसे में क्या वर्तमान सरकार उन तमाम कार्यालयों, संस्थानों, भवनों, विभागों, निगमों व बोर्डों को भी बंद करेगी, जो निरंतर प्रदेश की आर्थिक स्थिति को ही कमजोर कर रहे हैं। सरकारों के अनावश्यक नखरे तो समारोहों के आयोजन तथा सत्ता की परिपाटियों में भी नजर आते हैं, तो क्या हम समझें कि अब ऐसा कुछ नहीं होगा जो अनावश्यक है। सरकार के कठोर फैसलों का स्वागत करने वालों की एक सूची है और इस लिहाज से, मंतव्य को जाहिर करने की ईमानदारी अगर सामने आती है, तो यह सोने पे सुहागा ही होगा। सरकार अगर एक नई परिपाटी के तहत फैसले लेने का सामर्थ्य रखती है, तो एक बार पिछली तमाम सरकारों के मंतव्य और गंतव्य को भी समझ लेना होगा, क्योंकि अब कई बदलाव आ चुके हैं और भविष्य की चुनौतियां भी सख्त हो रही हैं। सरकार को पिछली भाजपा सरकार की 'डबल इंजन' अवधारणा का जवाब खोजना है और साबित भी करना है कि राज्य अपने बूते स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता, कार्यप्रणाली और अपने आर्थिक अधिकारों की रक्षा कर सकता है। पहली डगर पर सबसे अहम होगा कि सुशासन की परिपाटी में अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल और फिजूल खर्चियों से हटकर भविष्य के रास्ते खोजे जाएं।

बनने-बनाने में सोई सरकार

इधर लोग असमंजस में हैं कि सरकार बनने-बनाने के बीच कहाँ सो गई। उधर विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सरकार बन गई है, लेकिन कहीं नज़र नहीं आ रही। पर, सरकार का दावा है कि सरकार दिन ही नहीं, रात के अँधेरे में भी उल्लू की तरह देखने पर खुली आँखों से देखी जा सकती है। अगर यक़ीन न हो, तो उन लोगों से पूछ कर देख लो जो पूर्व सरकार की अधिसूचनाओं को निरस्त किए जाने के बाद घर बैठ कर ऐडियाँ सहला रहे हैं। अगर फिर भी कोई शक-शुबहा बाक़ी रहे तो प्रदेश में चलते उन जन आन्दोलनों को देख लें जिसमें पूर्व सरकार द्वारा गठित नए उपमंडलों, तहसीलों, विकास खंडों या कार्यालयों को अमान्य घोषित कर दिया गया है। विपक्ष का दावा है कि नई सरकार का ट्रेलर, जिसमें बारह पहिए होने चाहिए थे, केवल दो पहियों पर रगड़-घिसट कर चल रहा है।

सरकार कहती है कि विपक्ष कुछ कहने से पहले अपने गिरेबान में झाँक कर देख ले। उसके ट्रेलर में भले बारह पहिए थे, पर सभी अलग-अलग दिशाओं में घूम रहे थे। लोगों को कौन समझाए कि सरकार का काम तो घूमना ही है, चाहे आगे घूमे या पीछे। दाएं घूमे या बाएं। अगर ऐसा न होता तो देश आगे कैसे बढ़ता, तरक्क़ी कैसे करता। फिर चुनावी मेनिफेस्टो में न तो सत्ताधारी दल कहीं कहता है कि सरकार आगे चलेगी या पीछे, दाएं चलेगी या बाएं और न विपक्ष। इसमें तो केवल सब्ज़बाग़ दिखाए जाते हैं। उन्हें न तो जन पढ़ता है, न गण और न मन। ऐसे में उसमें किए गए अनर्गल प्रलाप को पढने की ज़हमत वह नई गठित सरकार क्यों उठाए, जिसे ढोने के लिए लोगों ने पाँच साल के लिए अपने कँधे उधार दिए हों। सरकारें तो नारों पर ही चलती हैं, मसलन 'अच्छे दिन आने वाले है', 'सबका साथ, सबका विकास', 'ग़रीबी हटाओ, देश बचाओ', 'शिक्षा की उड़ान', 'शिक्षा पर सबका अधिकार', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'ष्शिक्षा से बनेगा देश महान', 'बेटी पढ़ाओ देश बचाओ' वग़ैरह-वग़ैरह। इतिहास का पता नहीं पर समय गवाह है कि देश में अच्छे दिन आ चुके हैं, ग़रीबी हटने से देश सुरक्षित है, सबके साथ सबका विकास हो रहा है, शिक्षा पर सबके अधिकार से देश ऊँची उड़ान पर है, लोग पक्के मकानों में रह रहे हैं और ब्रैंडेड कपड़े पहन कर अमूल मक्खन के साथ रोटियाँ खा रहे हैं, बेटियाँ पूरी तरह सुरक्षित हैं और आप चाहें तो रात को बाहर पत्नी, बहिन या बेटी के साथ अँधेरी गलियों में बेख़ौफ घूम सकते हैं। अगर कुछ ऊँच-नीच हो जाए तो गाँधारी बनी न्याय की देवी एकतरफा झुके तराजू के साथ आपकी सेवा में हाजिर है।

लेकिन लोगों के हर बार बनने से लगता है कि उन्हें सियासी अय्यारी को भाँपने का हुनर नहीं आता, जबकि बुज़ुर्ग कहते हैं कि घर में नई-नवेली दुल्हन के पहला क़दम रखते ही उसके स्वभाव, बर्ताव और निभाई का पता चल जाता है। दरअसल लोगों को भले बनाना न आता हो, बनना अवश्य आता है और हर बार बनने के बाद जब तक जागते हैं तो देर हो जाती है। ग़लती सुधारने के लिए अगली बार वोट डालने और नई सरकार चुनने के बाद, उन्हें फिर पता लगता है कि दोबारा बन गए। पर जो मज़ा बनने में है, वह बनाने में नहीं। इसीलिए लोग हर बार बनना ही पसन्द करते हैं। हाल-फ़िलहाल में ही देख लो। राजधानी में सत्ताई गलियारे सूनी पड़े हैं। मानो अघोषित धारा 144 लागू हो। लोग अभी तक समझ नहीं पा रहे कि चुनावी आचार संहिता उठा ली गई है या लागू है। बेचारे नियमित होने वाले अनुबंधित सरकारी कर्मी अवधि पूरी होने के बावजूद महीनों से इन्तज़ार में है कि नए मंत्री कुरसी पर विराजें तो नियुक्ति-पत्र मिले। लेकिन शायद उनसे ज़्यादा बुरी हालत चुनाव जीते उन विधायकों की है जो सरकार बनने के बाद बेरोजग़ार घूम रहे हैं और कुछ पाने की चाहत में सरकार पर होने वाले विपक्षी हमलों को अपनी नंगी छाती पर झेल रहे हैं।

पी. ए. सिद्धार्थ

लेखक ऋषिकेश से हैं

भ्रष्टाचार मुक्त एवं गुणवत्ता युक्त व्यवस्था

राजनेताओं, नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सामाजिक, नागरिक, नैतिक, मानवीय तथा राष्ट्रीय मूल्यों को समझना चाहिए। सरकार अपने आप को उदाहरणीय एवं अनुकरणीय रूप में लोगों के समक्ष प्रस्तुत करे। तभी व्यवस्था परिवर्तन संभव है अन्यथा हम सत्ता ही बदलते हैं, व्यवस्था परिवर्तन कहां होता है?

भ्रष्टाचार जीवन के किसी भी क्षेत्र में विकास पथ पर बढने के लिए एक मुख्य अवरोध है। किसी भी समाज, व्यवस्था तथा देश को कमज़ोर एवं खोखला करने में भ्रष्टाचार दीमक की भूमिका निभाता है। भौतिक संसाधनों के निर्माण में आर्थिकी की मुख्य भूमिका रहती है। देश की आर्थिकी में आमजन तथा नागरिकों द्वारा दिए गए अपनी आय पर टैक्स से संकलित राजस्व का बहुत बड़ा हाथ होता है। टैक्स के रूप में एकत्रित धनराशि से केन्द्र तथा राज्य सरकारों के माध्यम से अनेकों विकासात्मक योजनाओं तथा कार्यों को पूरा किया जाता है। आमतौर पर भ्रष्टाचार साधन सम्पन्न, शक्तिशाली तथा प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा किया जाता है। धन का दुरुपयोग, शक्तियों का दुरुपयोग, झूठे प्रलोभन देकर अनैतिक कार्य करवाना, समाज तथा व्यवस्था द्वारा निर्धारित कर्तव्यों एवं दायित्वों का ईमानदारी तथा निष्ठापूर्वक निर्वहन न करना भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में ही आता है। भ्रष्टाचार बहुमुखी तथा अनेक प्रकार का होता है तथा इसे विस्तृत रूप से परिभाषित किया जा सकता है। भ्रष्टाचार केवल धन के दुरुपयोग या गबन का ही नहीं बल्कि नियमों के अनुरूप कार्य न करना, पक्षपात करना, प्रलोभन देना भी भ्रष्टाचार की ही श्रेणी में आता है जो किसी भी समाज, प्रांत तथा देश की नींव को कमज़ोर करता है।

यह किसी भी देश के चरित्र को परिभाषित करता है। संक्षेप में किसी भी प्रकार का भ्रष्ट या अनैतिक आचरण ही भ्रष्टाचार है। दूसरी ओर कोई भी कार्य गुणात्मक ही नहीं बल्कि गुणवत्ता युक्त होना अपेक्षित है। वर्तमान व्यवस्था की कार्यप्रणाली में सभी जगह आंकड़ों का खेल हो गया है। संस्थानों, संसाधनों, व्यक्तियों या उपलब्धियों की संख्या हो, सभी क्षेत्रों में बढ़ा-चढ़ा कर आंकड़े प्रस्तुत कर अपने कार्य की इतिश्री कर दी जाती है। आजकल शिक्षा, सडक़, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सुरक्षा के क्षेत्र में भौतिक संसाधनों तथा व्यक्तियों की आशातीत वृद्धि हुई है, लेकिन प्रत्येक क्षेत्र में गुणवत्ता एक बहुत बड़ा प्रश्न है। चाहे शिक्षा हो, रोजगार हो, स्वास्थ्य हो, सुरक्षा या कानून व्यवस्था हो, अपनी सुविधा के अनुसार संख्यात्मक आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं। कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत विस्तार हुआ है। शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों, भौतिक संसाधनों तथा शिक्षा की प्रतिशतता में वृद्धि हुई है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता आज भी यक्षप्रश्न बना हुआ है। इसी प्रकार सडक़, स्वास्थ्य, सुरक्षा के क्षेत्र में मनुष्य का जीवन सुरक्षित नहीं हो पाया है। इसके मूल में कहीं न कहीं हमारा आचरण हमारे राष्ट्रीय चरित्र को परिभाषित करता है। किसी भी क्षेत्र तथा किसी भी कार्य में गुणवत्ता तब तक सुनिश्चित नहीं की जा सकती जब तक कि उसमें कर्तव्य निष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी एवं ज़िम्मेदारी से कर्तव्य निर्वहन नहीं होता तथा उसमें चारित्रिक भ्रष्टाचार व्याप्त है। प्रत्येक दृष्टि से साधन सम्पन्न होने के बावजूद हम कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में सफल नहीं हो पाए हैं।

यह सब हमारी कर्तव्य निष्ठा, ईमानदारी तथा कर्तव्य परायणता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए हमारे राष्ट्रीय चरित्र को प्रतिबिंबित करता है। हिमाचल प्रदेश में नई सरकार को बने हुए एक महीने से अधिक समय हो गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कार्यभार संभालते ही कहा कि 'हम सत्ता के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए आए हैं।' यह उन्होंने कर्मचारियों के लिए ओपीएस लागू कर तथा अनाथ बच्चों तथा वृद्धाश्रमों के लिए एक सौ एक करोड़ रुपए की धन व्यवस्था जुटा कर 'मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना' प्रारंभ करके व्यवस्था परिवर्तन के अपने इरादे जता दिए हैं। मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों ने पदभार ग्रहण करते ही भ्रष्टाचार उन्मूलन करने तथा कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की बात कही है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विभाग की कमान संभालते ही शिक्षा की गुणवत्ता पर काम करने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को ट्रांसफर विभाग नहीं बनने दिया जाएगा। केवल मात्र शिक्षा की गुणवत्ता पर ही ध्यान केंद्रित होगा। शिक्षक संगठनों पर सख्ती होगी तथा शिक्षकों का कार्य केवल पढ़ाना होगा। शिक्षकों को राजनीति से दूर रखा जाएगा। वहीं लोक निर्माण, युवा एवं खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने विभाग में भ्रष्टाचार के लिए ज़ीरो टालरैंस का संकल्प दोहराया है। उन्होंने सडक़ों के रखरखाव में गुणवत्ता तथा खेल संघों को राजनीति से दूर रखने की बात की। राजनैतिक व्यवस्था की नई इबारत लिखने के लिए बहुत आवश्यक है कि सरकार अधिकारियों तथा कर्मचारियों को केवल कार्य संस्कृति पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करे तथा किसी भी तरह के राजनैतिक दबाव से मुक्त रखे। अधिकारी तथा कर्मचारी का कर्तव्य केवल ईमानदारी से कर्तव्य निर्वहन होना चाहिए। अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उनके दायित्वों के लिए जवाबदेह तथा उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए। वहीं पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी चाहिए कि वे अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए राजनेताओं की परिक्रमा न करें, बल्कि अपने कार्यों पर ध्यान दें।

इनसाइड

लिस्टिंग से पहले उछला GMP, आनलाइन चेक करें अलाटमेंट स्टेटस

DCX IPO Allotment Status DCX Systems IPO का आज अलॉटमेंट किया जा रहा है। ग्रे मार्केट में इसका जीएमपी उछाल पर है। BSE वेबसाइट पर लॉग इन करके इसकी ऑनलाइन जांच की जा सकती है। अगर आपने अप्लाई किया है तो स्टेटस चेक कर लें।

नई दिल्ली। DCX Systems Limited के IPO शेयर आवंटन की घोषणा आज होने की संभावना है। 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 2022 तक तीन दिनों की बोली के दौरान निवेशकों ने DCX Systems IPO के प्रति खासा उत्साह दिखाया है। ग्रे मार्केट में 500 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू पर तेजी पर बना हुआ है। डीसीएक्स सिस्टम्स के आईपीओ का जीएमपी 78 है। सुबह के सत्र में यह 75 के स्तर पर था।

DCX सिस्टम्स IPO GMP

बाजार पर्यवेक्षकों के अनुसार, DCX सिस्टम्स IPO GMP (ग्रे मार्केट प्रीमियम) आज 78 है, जो कल के GMP 75 प्रति इक्विटी शेयर से 3 रुपये अधिक है। पिछले दो दिनों से DCX सिस्टम्स के शेयर की कीमत ग्रे मार्केट में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।

DCX सिस्टम्स IPO: आनलाइन जांच कैसे करें

जिन लोगों ने 500 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के लिए आवेदन किया है, वे बीएसई की आधिकारिक वेबसाइट bseindia.com या आईपीओ के आधिकारिक रजिस्ट्रार की वेबसाइट पर लॉग इन करके अपने आवेदन की स्थिति की आनलाइन जांच कर सकते हैं।

DCX सिस्टम्स IPO के लिए नियुक्त आधिकारिक रजिस्ट्रार Link Intime Private Limited है और इसकी आधिकारिक वेबसाइट linkintime.co.in है। शेयर आवंटन की घोषणा के बाद बोलीदाता इन वेबसाइटों पर अपने आईपीओ आवेदन की स्थिति की आनलाइन जांच कर सकते हैं।

ये है तरीका

बीएसई के लिंक bseindia.com/investors/appli_check.aspx या सीधे लिंक इनटाइम वेब लिंक linkintime.co.in/MIPO/Ipoallotment.html पर लॉगिन कर शेयरों की जांच की जा सकती है।

बीएसई लिंक पर लॉग इन करें- bseindia.com/investors/appli_check.aspx;

डीसीएक्स सिस्टम्स आईपीओ चुनें

डीसीएक्स सिस्टम्स आईपीओ आवेदन संख्या दर्ज करें

अपना पैन डिटेल दर्ज करें

'मैं रोबोट नहीं हूं' पर क्लिक करें

'सबमिट' बटन पर क्लिक करें

आपकी DCX सिस्टम्स IPO आवंटन स्थिति कंप्यूटर मॉनीटर या स्मार्टफोन स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी

डायरेक्ट इनटाइम लिंक

शेयर आवंटन की घोषणा के बाद, बोलीदाता सीधे लिंक इनटाइम वेब लिंक linkintime.co.in/MIPO/Ipoallotment.html पर लॉग इन कर सकते हैं और ऑनलाइन आवंटन स्थिति की जांच कर सकते हैं। इसका स्टेप बाय स्टेप तरीका यह है।

डायरेक्ट लिंक इनटाइम वेब लिंक पर लॉग इन करें- linkintime.co.in/MIPO/Ipoallotment.html;

डीसीएक्स सिस्टम्स आईपीओ चुनें

अपना पैन नंबर दर्ज करें

'सर्च' विकल्प पर क्लिक करें

आपकी DCX सिस्टम्स IPO आवंटन स्थिति कंप्यूटर मॉनीटर या स्मार्टफोन स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी।

चार लड़के Jio को देंगे टक्कर, बना डाला ऐसा धांसू प्रोडक्ट कि शार्क्स भी उतर गए मैदान में

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली: इन दिनों सोनी टीवी पर आने वाले रियलिटी शो शार्क टैंक इंडिया (Shark Tank India) खूब चर्चा में है। शो में ऐसे स्टार्टअप्स, एंटरप्रेन्योर सामने आ रहे हैं, जिनका आइडिया न केवल शो के शार्क्स को हैरान कर रहा है, बल्कि दर्शक भी दंग रह जाते हैं। इन शो में एंटरप्रेन्योर अपने यूनीक स्टार्टअप के लिए शार्क्स से इंवेस्टमेंट मांगते हैं। कुछ के आइडिया हिट हो जाते है तो कुछ खाली हाथ घर लौट जाते हैं। इस शो में ऐसे ही कुछ एंटरप्रेन्योर आए, जिनके आइडिया और यूनीक बिजनस प्लान ने शार्क्स को भी दंग कर दिया। मात्र 15000 रुपये में अपना लैपटॉप प्रोडक्ट लेकर आए चार लड़कों के बिजनस प्लान को सुनकर शार्क्स भी उनके साथ मैदान में कूद पड़े।

मात्र 15000 में लैपटॉप

शार्क टैंक इंडिया में दिल्ली आईआईटी (IIT) में पढ़ने वाले छात्र पहुंचें। चार दोस्तों ने साथ मिलकर प्राइसबुक (Primebook) नाम का स्टार्टअप शुरू किया, जो केवल 15000 रुपये में आपको लैपटॉप उपलब्ध करवाता है। एंड्राइड 11 बेस इस लैपटॉप में तमाम वो फीचर्स हैं, जो आपको लैपटॉप के सारे फीचर्स के साथ मिलता है। कंपनी के फाउंडर का दावा है कि उनका प्राइमबुक प्राइम ओएस पर बेस्ड है। इसमें 2 मेगापिक्सल का कैमरा लगा है। एक बार चार्ज होने के बाद आप लैपटॉप को 12 घंटे तक चला सकते हैं। लैपटॉप का वेट मात्र 1.2 किलो है। डिवाइस में 4जीबी रैम, 64 जीबी स्टोरेज जैसे फीचर्स हैं। प्राइमबुक का डिस्प्लेल 11.6 इंच का है। यूजर इसमें 4G वायरलेस सिम कनेक्ट कर कहीं भी इसे यूज कर सकता है। प्राइमबुक के इस ऑपरेटिंग सिस्टम को अब तक 140 देशों में 30 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। इस PrimeOS बेस्ड लैपटॉप में वो सारे ऐप्स मिल जाते हैं, जो आपको एंड्रॉयड पर ही केवल उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि यही उनकी यूएसपी है। इस लैपटॉप को लेकर शार्क विनिता ने सवाल किया कि आपके इस प्रोडक्ट को तो जियो का JioBook खा जाएगा। शार्क के इस सवाल पर कंपनी के फाउंडर चित्रांशु ने कहा कि उन्हें पता है कि वो बड़े खिलाड़ी से भिड़ने जा रहे हैं और इसके लिए उन्होंने तैयारी कर ली है।

बेहतर रिटर्न से अमीरों की पसंद बना पीएमएस, अगले पांच साल में 75 फीसदी पहुंच जाएगी देश में HNI की संख्या

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) की आबादी बढ़ रही है। इसके साथ ही, उनकी निवेश प्राथमिकताओं में भी बदलाव आया है। वे पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) और एआईएफ जैसे विशेष रूप से अमीरों के लिए बने उत्पादों की तेजी से मांग करने लगे हैं। इसी का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट-

बहुत सारे बुटीक पोर्टफोलियो के मैनेजर मार्केट में आ गए हैं। एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के पास भी पीएमएस के ऑफर्स होते हैं, लेकिन कुछ में पर्सनल टच नहीं होता है। 2022 काफी उतार-चढ़ावा वाला वर्ष रहा है। इस दौरान उच्च महंगाई, बढ़ती ब्याज दरों, रूस-यूक्रेन संकट और मंदी की आशंकाओं के कारण दुनियाभर के बाजारों में गिरावट आई।

दूसरी ओर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल में पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) रणनीति ने निवेशकों को बेहद उत्साहजनक परिणाम दिलाया। एएमसी के लिए जिस फैक्टर ने काम किया, वह बिजनेस-मैनेजमेंट-वैल्यूएशन (बीएमवी) ट्रायड है। बीएमवी फ्रेमवर्क मजबूत बिजनेस मॉडल, क्वालिटी मैनेजमेंट और उचित मूल्यांकन वाली कंपनियों को चुनने के बारे में है। ऐसे उत्पाद का उद्देश्य वैसे निवेश आइडियाज की पहचान करना है, जो अभी तक पूरी तरह से खोजे नहीं गए हैं।

आईटी शेयरों पर कम फोकस

पीएमएस पोर्टफोलियो ने 2022 में अपने समृद्ध मूल्यांकन के कारण आईटी शेयरों पर कम फोकस किया। भले ही, आईटी कंपनियों के पास अच्छा व्यवसाय और गुणवत्ता वाला प्रबंधन हो। आरामदायक हमेशा लाभदायक नहीं होता। एक अच्छे व्यवसाय का हमेशा यह मतलब नहीं होता है कि यह एक बेहतर निवेश अवसर है। अच्छे कारोबार अक्सर सस्ते नहीं आते हैं। सही कंपनियों की पहचान करते समय बाजार के रुझान का पालन करने से बचना महत्वपूर्ण हो जाता है।

ऐसा रहा फंड और बेंचमार्क का प्रदर्शन

नाम/रिटर्न (फीसदी में)	एक साल	दो साल	तीन साल
आईप्रू पीएमएस पाइप स्ट्रेटेजी	20.3	33.9	29.3
निफ्टी मिडकैप-400	0.9	23.6	23.9
आईप्रू पीएमएस कांट्रा	20.0	27.8	24.3
एसएंडपी बीएसई-200 इंडेक्स	4.2	15.3	15.6
आईप्रू पीएमएस लार्जकैप स्ट्रैटजी	11.2	21.8	18.9
एसएंडपी बीएसई-100 इंडेक्स	4.5	14.3	14.6
आईप्रू पीएमएस फ्लैक्सीकैप स्ट्रैटजी	6.2	17.7	17.3
एसएंडपी बीएसई-200 इंडेक्स	4.2	15.3	15.6

दुनिया में बहुतेरे परिवर्तन

दुनिया में बहुतेरे परिवर्तन दिख रहे हैं। चीन दुनिया की फैक्टरी नहीं रहा। वैश्विक कंपनियां चीन के विकल्प की तलाश में हैं, जिसे चीन+1 स्ट्रैटजी के रूप में जाना जाता है। यहां मेक इन इंडिया पहल के जरिये भारत बड़ा लाभार्थी है। यह ऐसे समय में हो रहा है, जब विनिर्माण व जुड़ी कंपनियों ने पिछले एक दशक में खराब प्रदर्शन किया है।

भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों की निकासी जारी, फरवरी में अब तक निकाल चुके हैं 9600 करोड़

एफपीआई ने जनवरी में भी 28,852 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। यह पिछले सात महीनों में सबसे अधिक निकासी थी। वहीं, एक से 10 फरवरी के बीच भारतीय शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 9,672 करोड़ रुपये की निकासी की गई है।

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार से विदेश निवेशकों को निकासी लगातार जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) इस महीने फरवरी में अब तक 9600 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारतीय इक्विटी बाजार के ऊंचे मूल्यांकन को देखते हुए विदेशी निवेशक निकासी कर रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने जनवरी में भी 28,852 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। यह पिछले सात महीनों में सबसे अधिक निकासी थी। वहीं, एक से 10 फरवरी के बीच भारतीय शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 9,672 करोड़ रुपये की निकासी की गई है।

नवंबर-दिसंबर में किया था निवेश

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर 2022 में 11,119 करोड़ रुपये और नवंबर में 36,238 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश भारतीय बाजार में किया था। कोटक सिक्योरिटीज के श्रीकांत चौहान का कहना है कि केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में वृद्धि का सिलसिला जारी रखने से आगे भी एफपीआई द्वारा निकासी जारी रहने की आशंका है। वहीं, मॉर्निंगस्टार इंडिया के सह निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया, पूंजी निकासी की यह प्रवृत्ति तब तक जारी रहेगी जब तक अदाणी मामले पर अधिक स्पष्टता नहीं आती है, बाजार में अधिक स्थिरता आती है और एफपीआई को भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के अधिक ठोस संकेत नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजारों का तुलनात्मक रूप से अधिक मूल्यांकन होना भी विदेशी पूंजी की इस निकासी का एक प्रमुख कारण है।

ताइवान, द.कोरिया में लग रही पूंजी

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय बाजारों से निकाली गई पूंजी को ताइवान, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे बाजारों में लगाया जा रहा है। चीन में सख्त लॉकडाउन हटाने के बाद फिर से विदेशी निवेशकों उसकी तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

सेबी ने किया बिक्री पेशकश नियमों में बदलाव

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को बिक्री पेशकश (ओएफएस) नियमों में बदलाव किया। इससे उन प्रवर्तकों और बड़े शेयरधारकों के लिये चीजें सरल होंगी, जो बिक्री पेशकश के जरिये अपने शेयर बेचना चाहते हैं। संशोधित नियमों के तहत अब दो बिक्री पेशकश के बीच अंतर को 12 सप्ताह से घटाकर दो सप्ताह कर दिया है। इसके अलावा, खुदरा निवेशकों को दूसरी श्रेणी के बिना अभिदान वाले हिस्से के लिये बोली लगाने की अनुमति दी गयी है। साथ ही सूचीबद्ध रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) और अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) के यूनिट धारकों को अपनी हिस्सेदारी ओएफएस के जरिये पेशकश करने की इजाजत दी गयी है।

संशोधित नियम 10 फरवरी से प्रभाव में आएंगे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने परिपत्र में कहा कि शेयरधारकों का न्यूनतम पेशकश का आकार ओएफएस के जरिये शेयर बिक्री को लेकर 25 करोड़ होना चाहिए। हालांकि, एक ही चरण में न्यूनतम शेयरधारिता हासिल करने के लिये प्रवर्तक या प्रवर्तक समूह की इकाइयों के लिये पेशकश का आकार 25 करोड़ रुपये से कम हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि सेबी निदेशक मंडल ने सितंबर में ओएफएस के जरिये शेयरों की पेशकश को लेकर गैर-प्रवर्तक शेयरधारकों के मामले में न्यूनतम 10 प्रतिशत शेयरधारिता की आवश्यकता को खत्म करने का फैसला किया था। बिक्री पेशकश व्यवस्था उन कंपनियों के लिये उपलब्ध है, जिनका बाजार पूंजीकरण 1,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक है। सेबी ने दो ओएफएस के बीच अंतराल के बारे में कहा कि मौजूदा 12 सप्ताह से अधिक के अंतर को कम कर दो सप्ताह से 12 सप्ताह से अधिक कर दिया गया है। यह पात्र कंपनियों के प्रतिभूतियों की बिक्री को लेकर स्थिति पर निर्भर करेगा। हालांकि, कंपनियों के प्रवर्तक या प्रवर्तक समूह की इकाइयां, जिनके शेयरों का कारोबार अधिक या कम होता है, वे अपने शेयर ओएफएस या पात्र संस्थागत नियोजन के जरिये दो सप्ताह के अंतर पर पेश कर सकते हैं।

ये हैं दुनिया के सबसे खूबसूरत हाईवे, दिलकश प्राकृतिक नजारों से नहीं हटा पाएंगे

अगर आप कहीं घूमने जाएं और आपको रास्तें में शानदार प्राकृतिक नजारे देखने को मिलें तो सफर का मजा दोगुना हो जाता है। देश में भी कई हाईवे ऐसे हैं जो बेहद खूबसूरत हैं। हर साल लाखों पर्यटक इन जगहों पर घूमने जाते हैं। आज हम आपको दुनिया के सबसे खूबसूरत हाईवे की तस्वीरें दिखाने जा रहे हैं। इनमें से कई हाईवे ऐसे हैं, जिन्हें आपने हॉलीवुड की फिल्मों में भी देखा होगा। मूवीज़ में एक से एक बेहतरीन सड़कों को देखकर आपका दिल खुश हो जाता होगा। अगर आपने फिल्मों या टीवी पर दुनिया की सबसे आइकॉनिक और खूबसूरत रोड नहीं देखी हैं तो हम यहां दिखाते हैं उनकी तस्वीरें। ये हाईवे इतने खूबसूरत हैं कि यहां पर आप बाइक और कार जरूर चलाना चाहेंगे। ये रास्तें किसी खूबसूरत सपने से कम नहीं लगते हैं। आईए आपको दिखाते हैं दुनिया के एक से बढ़कर एक खूबसूरत हाईवे।

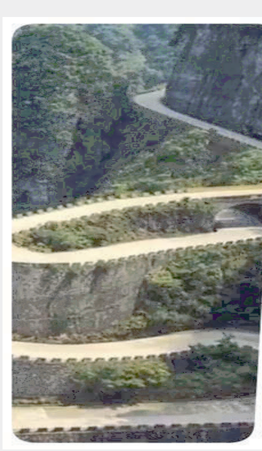

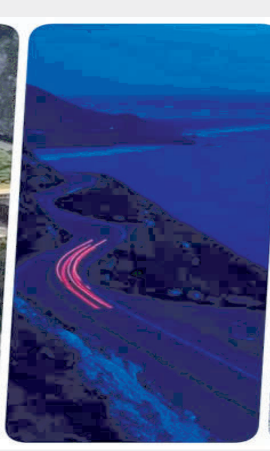

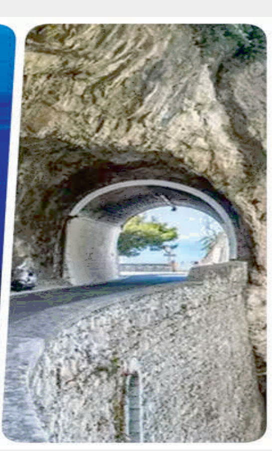

अगर आप कहीं घूमने जाएं और आपको रास्ते में शानदार प्राकृतिक नजारे देखने को मिलें तो सफर का मजा दोगुना हो जाता है। देश में भी कई हाईवे ऐसे हैं जो बेहद खूबसूरत हैं। हर साल लाखों पर्यटक इन जगहों पर घूमने जाते हैं। आज हम आपको दुनिया के सबसे खूबसूरत हाईवे की तस्वीरें दिखाने जा रहे हैं। इनमें से कई हाईवे ऐसे हैं, जिन्हें आपने हॉलीवुड की फिल्मों में भी देखा होगा। मूवीज़ में एक से एक बेहतरीन सड़कों को देखकर आपका दिल खुश हो जाता होगा। अगर आपने फिल्मों या टीवी पर दुनिया की सबसे आइकॉनिक और खूबसूरत रोड नहीं देखी हैं तो हम यहां दिखाते हैं उनकी तस्वीरें। ये हाईवे इतने खूबसूरत हैं कि यहां पर आप बाइक और कार जरूर चलाना चाहेंगे। ये रास्ते किसी खूबसूरत सपने से कम नहीं लगते हैं। आईए आपको दिखाते हैं दुनिया के एक से बढ़कर एक खूबसूरत हाईवे।

ट्रांसफागरासन हाईवे रोमानिया

ट्रांसफागरासन हाईवे रोमानिया की सबसे शानदार और सबसे प्रसिद्ध सड़क है। आप कभी रोमानिया जाने का प्लान बनाते हैं तो ट्रांसफागरासन के लिए एक रोड ट्रिप जरूर प्लान करें। इसकी लंबाई 150 किलोमीटर से ज्यादा है। यह हाईवे इतना ज्यादा खूबसूरत है कि लोग इसपर अपनी कार चलाना खूब पसंद करते हैं। हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक इस हाईवे के दिलकश नजारों का लुत्फ उठाते हैं। इस हाईवे की फोटो देखकर आप भी यहां जाने के लिए मचल उठेंगे।

मिलफोर्ड रोड, न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड स्थित ये मिलफोर्ड रोड है जो स्टेट हाईवे 94 का हिस्सा है। फिओर्डलैंड नेशनल पार्क और एक वर्ल्ड हेरिटेज एरिया के कुछ हिस्सों के नजदीक होने से यहां पर ड्राइव करने का अपना अलग मजा है। 118 किमी लंबी इस सड़क का कुछ हिस्सा भी खतरनाक माना जाता है। न्यूजीलैंड वैसे भी अपने शानदार प्राकृतिक नजारों के लिए जाता है। मिलफोर्स रोड पर आपको सबसे ज्यादा प्राकृतिक नजारे देखने को मिलते हैं।

पैसिफिक कोस्ट हाईवे, कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया स्टेट रूट 1 को पीसीएच यानी पैसिफिक कोस्ट हाईवे और कोस्ट हाईवे के नाम से भी जाना जाता है। इसकी खूबसूरती के आप फैन हो जाएंगे। यह हाईवे इतना सुंदर है कि इसकी फोटो देखकर लोग यहां आने का प्लान जरूर बनाते हैं। इस रोड पर चलते हुए आपको रोड के दोनों तरफ दिलकश प्राकृतिक नजारे देखने को मिलेंगे।

तियानमेन माउंटेन रोड, चीन

दुनिया की सबसे आश्चर्यजनक सड़कों में से एक है। उत्तर पश्चिमी चीन के हुनान प्रांत के झांगजियाजी में बनी इस रोड की गिनती भी खूबसूरत और सबसे खतरनाक सड़कों में होती है।

ग्रेट ओशन रोड, ऑस्ट्रेलिया

ग्रेट ओशन रोड ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण-पूर्वी तट के साथ आगे बढ़ती है ये करीब 240 किलोमीटर लंबी है। इसे ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विरासत भी घोषित किया गया है। इस रोड पर चलते हुए आपको दोनों ओर शानदार नजारे देखने को मिलेंगे।

अमाल्फी कोस्ट रोड, इटली

अमाल्फी कोस्ट रोड इटली में है। यह रोड अपने रंगबिरंगे और खूबसूरत कोस्टलाइन के लिए जानी जाती है। यह इलाका रोड ट्रिप के लिए परफेक्ट है। यह रोड इतनी सुंदर है हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है।

फेरबदलः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 राज्यों के राज्यपाल-एलजी बदले

राष्ट्रपति ने लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक को अरुणाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया है। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिक्किम, सीपी राधाकृष्णन को झारखंड, गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को बड़ा उलटफेर करते हुए 13 राज्यों के राज्यपाल व एलजी में फेरबदल किया है। उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का इस्तीफा मंजूर करते हुए रमेश बैस को नया राज्यपाल नियुक्त किया है। इसके अलावा लद्दाख के एलजी राधा कृष्णन माथुर का इस्तीफा भी मंजूर कर लिया गया है। उनकी जगह अरुणाचल के ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा को लद्दाख का एलजी बनाया गया है। वहीं, राष्ट्रपति ने लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक को अरुणाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया है। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिक्किम, सीपी राधाकृष्णन को झारखंड, गुलाब चंद कटारिया को असम, शिव प्रताप शुक्ला को हिमाचल प्रदेश, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया। वहीं, राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किया गया। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया उइके को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया। इसके अलावा मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन को नगालैंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

'फडणवीस होते कौन हैं? जीत सच्चाई की ही होगी', शिवसेना विवाद पर बोले संजय राउत

महाराष्ट्र की शिंदे सरकार के खिलाफ शिवसेना(उद्धव गुट) नेता संजय राउत एक बार फिर मुखर हुए हैं। उन्होंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार के खिलाफ चल रहे मामले में सच्चाई की ही जीत होगी। संजय राउत का यह बयान सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अयोग्यता याचिका पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की टिप्पणी के बाद आया है। दरअसल, फडणवीस ने कहा था कि अयोग्यता याचिका के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय उनके पक्ष में फैसला सुनाएगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ एकनाथ शिंदे–भाजपा गठबंधन एक वैध सरकार है। उन्होंने आगे कहा, हमने जो किया है वह कानूनी था, संवैधानिक मानदंडों के अनुसार और कानून का ठीक से अध्ययन किया गया था, इसलिए परिणाम हमारे पक्ष में होगा।

फडणवीस कौन होते हैं: राउत

संजय राउत ने एक ट्वीट में कहा, न तो माननीय सर्वोच्च न्यायालय और न ही चुनाव आयोग गैर संस्थाओं की बातों पर ध्यान देता है। जीत सच्चाई की ही होगी। उन्होंने आगे लिखा, देवेंद्र फडणवीस यह दावा करने वाले कौन होते हैं कि माननीय सुप्रीम कोर्ट उनके पक्ष में फैसला सुनाएगा? और नारायण राणे ने घोषणा की है कि चुनाव आयोग शिंदे को शिवसेना का चुनाव चिह्न देगा?

रमेश बैस बने महाराष्ट्र के नए राज्यपाल

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। उनकी जगह रमेश बैस को महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

इनसाइड

SC के पूर्व जज अब्दुल नजीर बने राज्यपाल, अयोध्या मामले में फैसला सुनाने वाली बेंच का हिस्सा थे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है। बता दें कि अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच का हिस्सा रहे अल्पसंख्यक समुदाय के इकलौते जज जस्टिस एस अब्दुल नजीर पिछले महीने चार जनवरी को रिटायर हो गए थे। जिसके बाद से ही उनके राज्यपाल बनने की संभवनाएं जताई जा रही थी। न्यायमूर्ति नजीर की सेवानिवृत्ति दो बैक-टू-बैक निर्णयों के बाद हुई, जिसमें उनके नेतृत्व वाली एक संविधान पीठ ने नोटबंदी को सही ठहराते हुए बरकरार रखा था। इसके अलावा मंत्रियों, सांसदों, विधायकों के स्वतंत्र भाषण अधिकार पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया था।

'आज देश की बेटियां भी राफेल लड़ाकू विमान उड़ा रहीं', दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर बोले पीएम मोदी

एनटीवी संवाददाता

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में आज जब विश्व अनेक विवादों में फंसा है, हिंसा और अस्थिरता में घिरा हुआ है, तब महर्षि दयानंद सरस्वती जी का दिखाया मार्ग करोड़ों लोगों में आशा का संचार करता है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने अपना संबोधन भी दिया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने महर्षि दयानंद सरस्वती के समाज के लिए किए गए कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह अवसर ऐतिहासिक है और भविष्य के इतिहास को निर्मित करने का है। 21वीं सदी में आज जब विश्व अनेक विवादों में फंसा है, हिंसा और अस्थिरता में घिरा हुआ है, तब महर्षि दयानंद सरस्वती जी का दिखाया मार्ग करोड़ों लोगों में आशा का संचार करता है।

महर्षि दयानंद जी ने आगे आकर वेदों के बोध को समाज में पुनर्जीवित किया

पीएम मोदी ने कहा कि जब महर्षि दयानंद का जन्म हुआ था तब देश सदियों की गुलामी से कमजोर पड़ कर अपनी आभा, अपना तेज, अपना आत्मविश्वास सब कुछ खोता चला जा रहा था। प्रति क्षण हमारे संस्कार, आदर्श को चूर-चूर करने का प्रयास होता था। इसके बाद महर्षि दयानंद जी ने आगे आकर वेदों के बोध को समाज में पुनर्जीवित किया। उन्होंने सामाजिक भेदभाव, ऊंच-नीच, छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सशक्त अभियान चलाया।

महर्षि दयानंद ने महिलाओं के लिए शिक्षा अभियान शुरू किया

पीएम मोदी ने कहा कि महिलाओं को लेकर समाज में जो रूढ़ियां पनप गई थीं, महर्षि दयानंद जी उनके खिलाफ एक तार्किक और प्रभावी आवाज बनकर उभरे। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ भेदभाव का खंडन किया, महिला शिक्षा का अभियान शुरू किया। आज देश की बेटियां भी राफेल लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। गरीबों और वंचितों का उत्थान सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया है।

दयानंद सरस्वती ने अनेक संस्थाओं का सृजन किया

पीएम मोदी ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने अपने जीवन में केवल एक मार्ग ही नहीं बनाया, बल्कि अनेक संस्थाओं का भी सृजन किया। वे अपने जीवन काल में क्रांतिकारी विचारों को लेकर के चले, उनको जिया और लोगों को जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हर विचार को व्यवस्था के साथ जोड़ा। जो बीज स्वामी दयानंद जी ने रोपा था, वो आज विशाल वटवृक्ष के रूप में पूरी मानवता को छाया दे रहा है। आजादी के अमृतकाल में आज देश उन सुधारों का साक्षी बन रहा है, जो स्वामी दयानंद जी की प्राथमिकताओं में थे।

स्वामी दयानंद जी ने परिपक्वता की परिभाषा बतलाई थी

पीएम मोदी ने कहा कि स्वामी दयानंद जी ने हमें जीवन जीने का एक और मंत्र दिया था। उन्होंने बहुत ही सरल शब्दों में बताया था कि आखिर परिपक्व कौन होता है, आप किसको परिपक्व कहेंगे? उनका कहना था कि जो व्यक्ति सबसे कम ग्रहण करता है और सबसे अधिक योगदान देता है, वही परिपक्व है।

अदम्य साहस, वीरता व कर्तव्य के लिए पुलिस सेवा का सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार सहित अनेकों अवार्ड से सम्मानित

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त आईपीएस संजय सैन की सेंट्रल मध्य दिल्ली में जिला पुलिस उपायुक्त की नई नियुक्ति पर उनका भावना से भरे भावनात्मक सादे विदाई समारोह का आयोजन पुलिस उपायुक्त कार्यालय सीलमपुर पर किया गया इस अवसर पर विभिन्न समाजों के आए प्रतिष्ठित लोगों सहित अमन कमेटी, आरडब्ल्यूएस व भिन्न-भिन्न सामाजिक व्यापारिक संगठनों के गणमान्य व्यक्तियों ने उनका फुलमलाओ, शॉल, बूको व प्रतीक चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर भिन्न भिन्न प्रमुख लोगो ने भारी मन से उनके ना भूलने वाली अलौकिक प्रेम, परस्पर सहयोग व उनके साहसिक कार्य की योद्धाओं वाली क्षमता पर उनका वंदन किया तथा उनकी नई जिम्मेदारी के लिए उनको शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सैन ने कहा कि आपके व उत्तर पूर्वी जिले की प्यारी जनता का प्यार मैं कभी भी नही भुला पाऊंगा हर समय मुझे जो आप लोगो ने अपराध को खत्म करने के लिए प्रेरणा दी तथा समय समय पर उत्तर पूर्वी जिला पुलिस के अधिकारियों का साथ दिया वह आपका निश्छल प्रेम व दिल्ली की दिल की उतर पूर्वी जिले पुलिस का आपके द्वारा पूर्ण विश्वास है जिसका कर्ज हम आपके प्रेम व स्नेह के रूप में साफ लेकर जा रहे हैं आइपीएस सैन ने कहा कि मेरी नियुक्ति से पहले जो यहां निरंतर अपराध ग्राफ इस जिले में पैर पसार चुका था। मेरे 2 साल के कार्यकाल में उसको समाप्त करने के लिए मैंने व मेरे पुलिस अधिकारियों ने जी जान से मेहनत करके इन अपराधियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने से पहले ही नेस्तनाबुंद करने की पूर्ण रूप से कोशिश की जिसमे आप लोगो के सहयोग से हमारी पुलिस टीम को भारी सफलता मिली जिससे कई बड़े अपराधी का खात्मा हुआ कई जेलो के अंदर तथा कई अपराधी आपके सहयोग से पुलिस के भय से यहां से भाग खड़े हुए।

श्री संजय कुमार सैन ने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधिकारी का नैतिक दायित्व है अपने प्रेम रूपी संवाद से समाज से अपराध खत्म करना व समाज को अपने में समावेश कर लेना हर पुलिस के अधिकारी का फर्ज होता है कि वह अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण रूप से निर्वाह करें उन्होंने कहा कि हमारी उत्तर पूर्वी जिले की पुलिस ने जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का भरपूर प्रयास किया इसमें सबसे बड़ा सहयोग आपके द्वारा दिया गया आपार प्यार व सहयोग रहा उन्होंने कहा कि मैं इस जिले से आपकी ना भूलने वाली मीठी यादें व प्यार लेकर सेंट्रल जिला पुलिस में जा रहा हूं व आपके प्यार व प्रेरणा से उस जिले में अलौकिक पुलिस कार्य कर आपकी उम्मीदों पर पूर्णतय खरा उतरूंगा यह आपसे मेरा वादा है उन्होने कहा कि मनुष्य का जन्म ही मानव कल्याण सेवाकार्य के लिए हुआ है आम आदमी की रक्षा उनके लिए सदैव तत्पर अपराध मुक्त क्षेत्र के लिए अपराधियों का खात्मा व लोगो का परस्पर सहयोग पुलिस के प्रत्येक वीर जवानो का नैतिक दायित्व है।

इस अवसर पर भिन्न भिन्न समाज के लोगों सहित समस्त उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों ने भारी मन से उन्हें विदाई दी तथा उनकी गाड़ी को खींचकर उनको ऐतिहासिक सलामी प्रदान कीइस अवसर पर डॉक्टर यू के चौधरी, जयभगवान गोयल, ताराचंद्र उपाध्याय, शरीफ आलम अलवी, नीलम नेगी, बाल कृष्णा उपाध्याय, जितेंद्र पंवार, राकेश भट्ट, भगत पहलवान, प्रवीन दायमा, मनोज त्यागी, ईश्वर चौधरी, एडवोकेट विपिन भदोरिया, मानसी उपाध्याय, स्मृति पांडे, यतेंद्र शर्मा, सतेंद्र चौधरी, ज्वाला शर्मा सहित विभिन्न समाजो के बंधु / भगिनी व कई दिग्गज पत्रकार बंधु सहित तमाम एसीपी, थानाध्यक्ष तथा उत्तर पूर्वी जिले के समस्त पुलिसकर्मी उपस्थित है।